केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 185 गुरूवार 25 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

राहुल गांधी पर मुकदमा

नई दिल्ली (आभा)।असम में हिमंत बिस्वा सरमा सरकार के साथ भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रही कांग्रेस पार्टी का टकराव खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। हिमंत के निर्देश पर असम पुलिस राहुल गांधी समेत कई कांग्रेसी नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर चुकी है। 22 जनवरी के दिन मंदिर जाने से रोके जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस में नोंक–झोंक हो गई थी, जिसके बाद पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी। अब इस पूरे प्रकरण पर कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार का कहना है कि जो पार्टी इस देश में अंग्रेजों को हरा सकती है, उनकी तोपों और फांसी की सजा से नहीं डरती, जिसके कार्यकर्ता वर्षों तक जेल में रहे, वे इन बैरिकेड्स से क्या डरेंगे। हिमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कन्हैया कुमार ने आरोप लगाया कि इस देश के कई मुख्यमंत्री दिल्ली को खुश करने के लिए किसी भी स्तर तक गिरने के तैयार हैं।

मतदान प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयुक्त कार्यालय समागार में मतदाता दिवस की शपथ दिलाया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। उन्होने कहा कि वोट देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है, सोच समझकर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, सबके मतो का ताकत एक समान है, सबको वोट देने का अधिकार है।

उन्होने कहा कि जो 18 वर्ष के हो गए हैं, वह युवा अपना वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाएं ताकि वह अपने मत का प्रयोग कर सके। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशासन राजीव पांडेय, उपनिदेशक पंचायत समरजीत यादव, पी.ए. मनोज कुमार श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी संतोष कुमार पांडेय, रमेश चंद्र, अनुपम चौधरी, सौरव कुमार, जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार उपाध्याय, अमन उपाध्याय, सोहेल अहमद, आलोक सिंह आदि अधिकारी–कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता के लिये दिलाया शपथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती) राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर बुधवार को खंड विकास अधिकारी विनय कुमार द्विवेदी ने ब्लाक कर्मियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई। साथ ही साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले सुपरवाइजर व बीएलओ का उत्साह बर्धन किए। लोगों को संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी विनय कुमार द्विवेदी ने कहा कि मतदान हमारा धर्म सिद्ध अधिकार है। सभी लोग मतदान करें और ग्राम पंचायत को लोगों को भी जागरुक करें। पहले मतदान करने का अधिकार नहीं था लेकिन लंबे संघर्ष के बाद यह अधिकार प्रत्येक नागरिकों को मिला। मतदान करना हमारा केवल अधिकार ही नहीं बल्कि मौलिक कर्तव्य भी है। इस अभियान में प्रत्येक कर्मचारी सहभागिता निभाएं।

कार्यक्रम में एडीओ आईएसबी चंद्रशेखर सिंह, मनोज चतुर्वेदी, दीपक श्रीवास्तव, बृजेश दुबे, पंकज पांडे, ओमकार चौधरी, रमेश चौधरी, रविंद्र अग्रहरि, रवि पांडे, सदरुद्दीन, बालेंद्र कुमार सहित तमाम कर्मचारी मौजूद रहे।

इण्डिया गठबंधन में दरार: अकेले चुनाव लड़ेंगी ममता बनर्जी

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी को हराने के लिए बने 28 दलों के इण्डिया गठबंधन में इन दिनों सबकुछ ठीक ठाक नहीं चल रहा है। इसकी ताजा मिसाल तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दी है। ममता ने साफ कर दिया है कि पश्चिम बंगाल में वह अकेले चुनावी मैदान में उतरेंगी। इससे पहले वह कांग्रेस के लिए दो सीटें छोड़ने की बात कर रही थीं लेकिन अब दीदी ने सभी 42 सीटों पर दो–दो हाथ करने का ऐलान कर दिया है। ममता बनर्जी ने यह ऐलान तब किया है, जब एक दिन पहले ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि सीटों के बंटवारे पर तृणमूल कांग्रेस के साथ बातचीत चल रही है। राहुल के बयान के अगले ही दिन बुधवार को ममता ने साफ कर दिया कि उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए राज्य में सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस में किसी से बात नहीं की है। बनर्जी ने पूर्वी बर्धमान के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से कहा, 'मैंने सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस में किसी से बात नहीं की है।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस को अपने दम पर 300 सीटों पर चुनाव लड़ने दीजिए। क्षेत्रीय दल एकजुट हैं और बाकी सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि, हम उनके (कांग्रेस) किसी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करेंगे। कांग्रेस की तरफ से इस संकट के समाधान की कोशिशें तेज हो गई हैं। मंगलवार को ही राहुल गांधी ने कहा था कि ममता बनर्जी और उनके परिवार के बीच अच्छी ट्यूनिंग है। बुधवार को अब कांग्रेस महासचिव और कम्यूनिकेशन इंचार्ज जयराम रमेश ने कहा कि ममता बनर्जी पहले से कहती आ रही हैं कि हम बीजेपी को हराना चाहते हैं और हम बीजेपी को हराने के लिए कुछ भी करेंगे।

उत्तर प्रदेश दिवस पर गिनाई उपलब्धियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश दिवस–2024 समारोहपूर्वक व धूमधाम से भारत रत्न पं0 अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षागृह में मना, जिसका शुभारम्भ विधायक हर्रैया अजय सिंह व जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर विधायक ने यूपी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह जिला लगभग 155 वर्ष पुराना है, यहाँ भगवान श्रीराम के मखौड़ाधाम, श्रृंगीनारी, रामजानकी रोड ऐतिहासिक विरासत है। उन्होने श्लोक के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन गाथा का वर्णन करते हुए कहा कि इस धरती पर हमारा जन्म हुआ है, इस पर हमको गर्व है। उन्होने कहा कि आज उत्तर प्रदेश एक जनपद एक उत्पाद के माध्यम से अपनी अलग पहचान बना चुका है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सभी योजनाओं से आच्छादित किया जा रहा है।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस मनाया जा रहा है, यह गौरव का विषय है। इस अवसर पर उन्होने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को दिया जा रहा है।

जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को यूपी दिवस की शुभकामना दिया। उन्होने कहा कि आज उ0प्र0 विकास के मामले में पाँचवें स्थान पर है। उत्तर प्रदेश में भगवान श्रीराम, कृष्ण शिव, बुद्ध आदि देवता अवतरित हुए है, जिनके मार्गपथ पर हमलोग चल रहे है। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश में अनेक नदियों का संगम है। भौगोलिक क्षेत्र के दृष्टिगत उ0प्र0 में इंडस्ट्रियल क्षेत्र में 1 से पाँचवे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश में हर 60 किमी. पर एक पर्यटन स्थल है।

यूपी दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री आवास, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत प्रशिक्षित लाभार्थियों को विभिन्न ट्रेडो यथा–दर्जी, कुम्हारी, हलवाई आदि को टूलकिट वितरित किया गया तथा स्कूली छात्रा द्वारा लोकगीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास, कृषि, बेसिक शिक्षा, समाज कल्याण, आईसीडीएस, मत्स्य, श्रम विभाग सहित अन्य विभागों की प्रदर्शनी लगायी गयी। परिसर में एलईडी के माध्यम से मिलेट्स (श्रीअन्न) से प्राप्त होने वाले लाभ के बारे में दिखाया गया। इस अवसर पर सूचना विभाग द्वारा प्रचार साहित्य "उत्तर प्रदेश संदेश" का निःशुल्क वितरण किया गया।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका मानवी सिंह ने किया। इस अवसर पर सीडीओ जयदेव सीएस, पीडी राजेश झा, डीडीओ संजय शर्मा, पर्यटन अधिकारी विकास नारायण, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, बीएसए अनूप तिवारी, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप एवं जगदीश शुक्ला सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मतदाता दिवस पर दिलाया जागरूकता की शपथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वापसी ने उपस्थित लोगों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाया, प्रत्येक निर्वाचन में उनको मतदान करने की अपील किया तथा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में बेहतर कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर सीडीओ जायदेव सीएस तथा अपर जिलाधिकारी कमलेश चंद भी उपस्थित रहे।

मतदाता दिवस के अवसर पर राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज, खैर इंडस्ट्रियल इंटर कॉलेज, शिवदर्श उपाध्याय किसान इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं तथा एनसीसी कैडेट स्काउट गाइड द्वारा शहर में रैली निकाली गई। रैली अपने–अपने कॉलेज से निकालते हुए छात्र–छात्राओं ने जनसमुदाय से अधिकाधिक मतदान करने की अपील किया। उनके हाथों में मतदाता जागरूकता से संबंधित तख्तिया भी प्रदर्शित हो रही थी। "वोट जैसा कुछ नहीं वोट जरुर डालेंगे हम" नारों के साथ सभी बच्चे शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में पहुंचे। यहां पर उन्हें उप जिलाधिकारी सदर गुलाबचंद, कैप्टन एनसीसी जितेंद्र कुमार शाही, स्पोर्ट्स अफसर संजय शर्मा तथा बीडीओ सदर ने छात्र–छात्राओं को मतदान के महत्व के बारे में बताया।

इस अवसर पर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में अच्छा कार्य करने वाले तहसीलदार सदर विनय प्रभाकर, उप जिलाधिकारी/बीडीओ सदर रामकृष्ण चौधरी, खंड विकास अधिकारी मनोज कुमार श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र विनोद कुमार त्रिपाठी, साऊघाट धीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, एईआरओ, सुपरवाइजर तथा बीएलओ उषा चौधरी, पुष्पलता, अंजली सिंह, कुसुमकान्ती, नीलम त्रिपाठी, सत्येंद्र नाथ द्विवेदी, शशांक सिंह एवं मनोज कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

संचालन आशीष श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डीडीओ संजय शर्मा, डीआईओएस जगदीश शुक्ला, बीएसए अनूप कुमार, विकास श्रीवास्तव, स्काउट गाइड के कुलदीप सिंह, सत्या पांडेय, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुभाष, प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम सिंह, मुस्लिमा खातून, अध्यापक, अध्यापिकाएं, खिलाड़ी तथा विभागीय अधिकारी–कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

सपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में परिवर्तन का आवाहन: भाजपा सरकार पर साधा निशाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रुधौली विधानसभा क्षेत्र के सल्टौआ गोपालपुर में सपा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद उमर और किया संचालन प्रभाकर वर्मा ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री रामप्रसाद चौधरी ने कर्पूरी ठाकुर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुए अपना संबोधन किया।

कहा कि देश की जनता ने अपना बहुमूल्य वोट देकर 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत में लाया था लेकिन गरीबी ,बेरोजगारी और भ्रष्टाचार का हवाला देकर सत्ता में बैठने वाली मोदी सरकार ने 10 साल का समय बीत जाने के बाद अपने वादों को पूरा करने में फेल साबित हुई है। मोदी सरकार ने सरकार ने 2 करोड़ लोगों को रोजगार देने की बात किया था लेकिन इस सरकार में जो नौकरी में हैं उनका रोजगार भी छीन लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र किसानों का है यहां के किसान गन्ना की खेती बड़े पैमाने पर करते हैं लेकिन इस सरकार में गन्ना मूल्य बढ़ाने की बात छोड़िए मिलों ने किसानों के लिए पुराने भुगतान को अभी तक किसानों को नही दिया है। उन्होंने कहा कि यह अन्नदाता का देश है लेकिन किसानों की आय दोगुना करने की बात करने वाली सरकार ने किसानों को न तो फसलों का वाजिब मूल्य दिलवा पा रही है

और न ही उनकी आय में वृद्धि कर पा रही है पूर्व मंत्री ने कहा कि आने वाले 2024 के आम चुनाव में आप सब किसानों के साथ अन्याय अत्याचार करने वाली सरकार को सत्ता से बाहर कर देश में कामकाजी सरकार को लाएं।

रुधौली विधानसभा के विधायक और कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्र चौधरी ने कहा स्वास्थ्य ,शिक्षा और रोजगार देने के मामले में डबल इंजन की सरकार पूरी तरह से विफल है , इस सरकार में समूह और सखी के नाम पर महिलाओं को गुमराह किया जा रहा है , युवाओं और बेरोजगार लोगों को चंद पैसों का लालच देकर मानसिक रूप से गुलाम बनाया जा रहा है । उन्होंने कहा कि मणिपुर जलता रहा लेकिन देश के प्रधानमंत्री ने उसपर बोलने की जरूरत नही समझी , उन्होंने कहा कि इस सरकार में गरीबों के घर पर बुलडोजर चल जाता है लेकिन अमीरों के घर पर इनका बुलडोजर नही चलता है क्योंकि ये गरीबों की नही अमीरों की सरकार है । उन्होंने कहा कि आज किसान एवं संविधान को बचाने की आवश्यकता है क्योंकि मौजूदा सरकार किसान और संविधान दोनों को कमजोर कर रही है।

सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव ने कहा कि यह किसानों का इलाका है लेकिन 10 साल का समय बीत गया लेकिन भाजपा की सरकार ने किसानों की आय दोगुना करने की बात कहकर कोई भी काम नही कर पाई , भाजपा ने अच्छे दिन गई गारंटी दिया था लेकिन किसानों को 50 किलो की यूरिया की बोरी 45 किलो की मिलने लगी , स्वास्थ्य और शिक्षा भी महंगी हो गई , कानून व्यवस्था और न्याय देने में भी सरकार विफल है क्योंकि भाजपा गरीबों की बात केवल कहती है लेकिन पूरा तरक्की अमीरों के लिए करती है । विधायक ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में बेटियों को कन्याधन मिलता था लेकिन बेटियों को मिलने वाला यह सम्मान भी बीजेपी ने छीन लिया ।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में न तो कोई सुरक्षित है न किसी को रोजगार और न्याय मिल रहा है इस लिए आने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हटाने की जरूरत है ।क्योंकि भाजपा नेगरीबों की आजादी खत्म कर दिया है।

इस मौके पर कप्तानगंज के विधायक अतुल चौधरी ने कहा कि इस क्षेत्र की जनता ने हर बार राम प्रसाद चौधरी को प्यार और सम्मान दिया है जिसकी वजह से बस्ती लोकसभा का नाम पूरे प्रदेश में होता रहा है उन्होंने कहा कि अब वह समय आ गया है जब वंचित वर्ग का अधिकार छीनने वाली सरकार को सत्ता से बाहर कर देश में स्वास्थ्य ,शिक्षा और रोजगार देने वाली सरकार का निर्माण करना है ।

इस मौके पर मोहम्मद उमर राजमोहन चौधरी, बृजेश पटेल, रविन्द्र चौधरी ,संजय चौधरी , प्रमोद यादव, रवि चौधरी, रामचन्द्र यादव , कमलेश चौधरी ,राजमोहन चौधरी, द्वारिका चौधरी, धीरसेन निषाद, जितेंद्र यादव ,अनिल चौधरी ,संजय चौधरी , संतोष चौधरी, कृष्ण कुमार जर्सी यादव, रोहित कनौजिया , रतनेश चौधरी , टोनी चौधरी , अंकित पाण्डेय , रामतीर्थ यादव , डब्लू चौधरी ,लक्ष्मण चौधरी ,पवन मोदनवाल , मेवालाल यादव , गिरधारी यादव , लल्लू मौर्या ,प्रेमा कुमारी, महंत यादव,जगराम यादव , राधेश्याम यादव ,रामकेवल यादव सहित हजारों की संख्या मौजूद रही।

गणतंत्र दिवस परेड में भी नजर आएंगे रामलला

लखनऊ (आभा)। राजधानी दिल्ली में 26 जनवरी को निकलने वाली गणतंत्र दिवस परेड में भी इस साल रामलला नजर आएंगे। यूपी की झांकी में रामलला के बालरूप को शामिल किया गया है। रामलला का बालरूप राममंदिर के मॉडल पर नजर आएगा। इसके साथ ही अयोध्या में हुए दीपोत्सव को भई दर्शाया गया है। झांकी में प्रयागराज में लगने वाले कुंभ को भी शामिल किया गया है। झांकी में संगम की लहरें और साधु को वहां स्नान करते हुए दिखाया गया है। झांकी में कलश के साथ दो साधुओं को दिखाया जाएगा, जो प्रयागराज में होने वाले माघ मेले एवं 2025 में होने वाले महाकुंभ का प्रतीक हैं। इस बार उत्तर प्रदेश की झांकी 'विकसित भारत समृद्ध विरासत' की थीम पर आधारित है। इसमें प्रदेश के विभिन्न विरासत की झलक भी दिखाई जाएगी।

अयोध्या में दो दिन पहले ही रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन हुआ था। जिस प्रकार जन्मभूमि पर बने राममंदिर में रामलला के पांच साल के बालक के रूप को स्थापित किया गया है, उसी प्रकार यूपी की झांकी में भी रामलला के बाल रूप को रथ पर सबसे आगे दिखाया गया है। रामलला राम मंदिर जैसे मॉडल पर बने कमल के फूल पर उसी तरह से खड़े नजर आ रहे हैं जैसे राम मंदिर के गर्भगृह में उनकी मूर्ति खड़ी है। इस मूर्ति के भी बाएं हाथ में धनुष और दाहिए हाथ में बाण है।

इसके साथ ही झांकी में दुनिया के चौथे सबसे बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नोएडा एयरपोर्ट की है। झांकी के पीछे एलईडी स्क्रीन पर एक्सप्रेसवे के माध्यम से छह संचालित जबकि सात निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे को दर्शाया गया है। ट्रैक्टर पर साधुओं के बाद रैपिड रेल का माडल है। इसके पीछे ब्रह्मोस मिसाइल को दिखाया गया है। बुधवार को दिल्ली में परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

सार्वजनिक होगी ज्ञानवापी मस्जिद की एएसआई रिपोर्ट

वाराणसी (आभा)। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद की तीन महीने तक चली एएसआई रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। वाराणसी जिला जज की अदालत ने बुधवार को इस बारे में आदेश देते हुए कहा कि रिपोर्ट की कापी हिन्दू और मुस्लिम दोनों पक्षों को मिलेगी। एएसआई ने 18 दिसंबर को रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में कोर्ट में दाखिल की थी। हिन्दू पक्ष ने उसी समय रिपोर्ट देने की मांग की थी लेकिन मुस्लिम पक्ष की आपत्ति और एएसआई टीम के चार हफ्ते तक रुकने के आग्रह पर रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं हो सकी थी।

जयन्ती पर याद किये गये पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर: भारत रत्न दिये जाने पर प्रसन्नता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा बुधवार को ब्लाक रोड स्थित संगठन कार्यालय पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को उनके 100 वीं जयन्ती पर याद किया गया।

सामाजिक कार्यकर्ता मुख्य अतिथि रामतौल शर्मा ने कर्पूरी ठाकुर को नमन् करते हुये कहा कि कर्पूरी ठाकुर बिहार के पहले गैर–कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे, उन्होने अपने दो के कार्यकाल में जिस तरह की छाप बिहार के समाज पर छोड़ी है, वैसा दूसरा उदाहरण नहीं दिखता है। लम्बे समय से उन्हें भारत रत्न दिये जाने की मांग चल रही थी, केन्द्र सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग पूरा कर दिया जो स्वागत योग्य कदम है। कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने 1967 में पहली बार उपमुख्यमंत्री बनने पर अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म किया, इसके चलते उनकी आलोचना भी खूब हुई, लेकिन उन्होंने शिक्षा को आम लोगों तक पहुंचाया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष ठाकुर प्रेमनन्दबंशी ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर 1952 की पहली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद वे बिहार विधानसभा का चुनाव कभी नहीं हारे। बिहार के दो बार मुख्यमंत्री और दूसरे उप मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की सादगी की खूब चर्चा होती है। उनकी सादगी के चर्चे पूरे देश में मशहूर थे। आजादी के बाद एक बार भी विधायक, विधान पार्षद बनकर लोग करोड़ों के मालिक हो जाते हैं। शहरों में उनके आवास बन जाते हैं। लेकिन, कर्पूरी ठाकुर उन तमाम लोगों से अलग थे। जीवन पर्यंत राजनीति के उच्च मापदंड को बनाकर रखा। जिसमें, ईमानदारी और जनता के प्रति जवाबदेही को स्वीकार किया। ऐसे व्यक्तित्व से नई पीढी को प्रेरणा लेनी चाहिये।

मोर्चा मण्डल उपाध्यक्ष राम सुमेर यादव ने कहा कि 17 फरवरी 1988 को कर्पूरी का निधन हुआ तो उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगणा उनके गांव पहुंचे। समस्तीपुर के पितौंझिया गांव में जब हेमवती नंदन बहुगणा पहुंचे तो उन्होंने घर की स्थिति देखी। उनकी आंखों से आंसू फूट पड़े। उन्होंने कहा कि दो बार का सीएम ने अपने बच्चों के लिए घर तक नहीं बनवाया। ऐसे नेता बिरले ही होते हैं। आर.के. आरतियन ने कहा कि बिहार में जननायक कहे वाले कर्पूरी ठाकुर के राजनीतिक गुरु लोकनायक जय प्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया रहे। उन्होने सहजता को जीवन में उतारा।

कर्पूरी ठाकुर को उनके 100 वीं जयन्ती पर याद करने वालों में हृदयराम गौतम, कृष्ण कुमार शर्मा, रामनरेश चौधरी, अनिल कुमार शर्मा, संतोष कुमार, लालमणि, जेपी शर्मा, राहुल शर्मा, संजय शर्मा , चंद्र प्रकाश गौतम, अनिल गुप्ता आदि शामिल रहे।

प्रसूता की मौत मामले में डीएम को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लौहरौली में प्रसूता की लापरवाही से मौत का मामला गरमाता जा रहा है। भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में बुधवार को मोर्चा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने प्रसूता के पति मनोज के साथ जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कर न्याय दिलाया जाय अन्यथा मोर्चा इस प्रकरण को लेकर आन्दोलन को बाध्य होगा।

ज्ञापन देने के बाद मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने बताया कि रूधौली थाना क्षेत्र के गोविन्दपुर निवासी मनोज कुमार ने पुलिस अधीक्षक, पुरानी बस्ती थानाध्यक्ष, जिलाधिकारी के साथ ही अनेक उच्चाधिकारियों और मुख्यमंत्री को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर मामले में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुये न्याय की गुहार लगाया है किन्तु प्रशासनिक स्तर पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में आर.के. आरतियन ने बताया कि ने मनोज कुमार ने अपनी पत्नी पत्नी विन्ध्यवासिनी को प्रसव पीड़ा होने पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लौहरौली में भर्ती कराया । गत 6 जनवरी की रात लगभग 10 बजे स्टाफ नर्स जया ने बताया कि नार्मल डिलेवरी के लिये चीरा लगाना पड़ेगा। 7 जनवरी 2024 को लगभग 7.15 बजे लडकी पैदा हुई। उससे पांच हजार रूपये की मांग किया पांच उसने बाद में पैसा देने को कहा। मनोज कुमार ने बताया कि उसकी पत्नी को चीरा लगाने के बाद टाका नहीं लगाया गया जिससे अधिक रक्त गिरने के कारण उसकी स्थिति बिगड़ गई। एक कर्मचारी ने एम्बुलेंस बुलाया और उसे जबरिया घर भेज दिया गया। रास्ते में ही उसकी पत्नी की मौत हो गई। शव को दफना दिया गया और पुलिस को सूचना दी गई। मनोज कुमार ने कहा है कि गलत इलाज के कारण उसकी पत्नी की मौत हो गई। दफनाये गये शव का पोस्टमार्टम कराने के साथ ही दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर उसे न्याय दिलाया जाय।

ज्ञापन देने वालों में राम सुमेर यादव, हृदय गौतम, सत्येन्द्र, शशि कुमार, राम किशुन, मनोज कुमार, शशि कुमार आदि शामिल रहे।

–दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कडी कार्रवाई की मांग

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 जनवरी 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

सौर ऊर्जा की ओर बढ़े कदम

पर्यावरणीय संकट और महंगे होते ऊर्जा संसाधनों के विकल्प के रूप में स्वच्छ ऊर्जा, खासकर सौर ऊर्जा दुनिया में पहली पसंद बनी है। भारत ने भी तेजी से इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इन्हीं रचनात्मक प्रयासों के चलते आज देश में सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता 73 गीगावॉट तक हो गई है। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार दिसंबर, 2023 तक भारत में रूफटॉप सोलर क्षमता लगभग 11.08 गीगावॉट है। विश्व ऊर्जा की जरूरतों की निगरानी करने वाली संस्थाएं बता रही हैं कि आने वाले तीन दशक में दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत में ऊर्जा की मांग में सबसे ज्यादा वृद्धि होने वाली है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि हम इस चुनौती के मुकाबले के लिये ऊर्जा के नये स्रोतों को तलाशें। निस्संदेह, नवीकरणीय ऊर्जा इसका बेहतर विकल्प हो सकता है। देश में थर्मल और जल विद्युत परियोजनाएं के नफे–नुकसान को देखते हुए स्वच्छ ऊर्जा ही कारगर विकल्प बचता है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह से लौटने के तुरंत बाद 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' की शुरुआत करने की घोषणा की। जिसका मकसद समाज के कमजोर वर्गों को बिजली के बिल से राहत दिलाने के साथ ही स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना भी है। इस योजना का उद्देश्य देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाना है। इस योजना के तहत गरीबों व निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों का बिजली का खर्च घटाने के मकसद से देश के एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाने का फैसला किया है। कहा जा रहा है कि सूर्य के ताप से ऊर्जा हासिल करने के लिये लगाए जाने वाले पैनल के उपयोग से बिजली के बिल में कमी आएगी, जिससे लोगों को आर्थिक राहत मिल सकेगी। यूं भी देश में मुफ्त बिजली देना बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहा है, जिसका नकारात्मक प्रभाव बिजली विभाग की सेहत पर भी पड़ता है।

हालांकि, इस योजना के लाभार्थियों से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है, लेकिन इस बाबत जरूरी ब्योरा देने के लिये वेबसाइट शीघ्र जारी होगी। जिसके जरिये इच्छुक भारतीय नागरिक आवेदन कर सकेंगे। इस अभियान के तहत अधिकारियों से राष्ट्रीय स्तर पर मुहिम चलाने को कहा गया है। जिससे नागरिकों को रूफटॉफ पैनल के उपयोग के लिये प्रेरित किया जा सके। दरअसल, रूफटॉप सोलर पैनल एक फोटोवोल्टिक पैनल होता है, जिसे किसी मकान की छत पर लगाया जाता है। कालांतर सूरज से ऊर्जा पाने वाले इस पैनल को मुख्य बिजली आपूर्ति करने वाली लाइन से जोड़ दिया जाता है। जिससे यह ग्रिड के माध्यम से आने वाली विद्युत के उपयोग को घटा देता है। फलस्वरूप उपयोगकर्ता का बिजली के बिल का खर्च घट जाता है। दरअसल, रूफटॉप सोलर पैनल खासा किफायती है। इसकी लागत केवल पैनल लगाने के वक्त एक बार ही आती है। बाद में इसके संचालन में बेहद कम ही खर्च आता है। दरअसल, इसका मकसद जहां लोगों को आर्थिक राहत देना है, वहीं देश में बिजली उत्पादन को बढ़ावा देना भी है। वहीं दूसरी ओर कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिये देश की जो अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं हैं, उनमें भी यह पहल सहायक बनती है। कहीं न कहीं सरकार का मकसद इस योजना के जरिये राजनेताओं की मुफ्त की रेवड़िया बांटने की प्रवृत्ति पर लगाम लगाना भी है। पिछले दिनों विधानसभा चुनाव में तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी गारंटियों में मुफ्त बिजली देने का वायदा भी शामिल किया। इस मुफ्त बिजली की कीमत कालांतर देश की अर्थव्यवस्था को भी चुकानी पड़ती है। सरकार जल्दी ही इस योजना का रोडमैप जारी करने वाली है। कहा जा रहा है कि वे लोग इस योजना के लिये आवेदन कर सकेंगे, जो भारत के स्थायी नागरिक हों, उनकी वार्षिक आय डेढ़ लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक सरकारी कर्मचारी न हो। उसे अपना आधार कार्ड, अधिवास प्रमाणपत्र, बिजली का बिल और आय का प्रमाणपत्र आदि की जानकारियां वेबसाइट पर अपलोड करनी होंगी। उल्लेखनीय है कि सरकार की ओर से ऐसी एक योजना 2014 में लॉन्च की जा चुकी है। विश्वास है, गरीब के घर को रोशन करने वाला यह प्रयास सार्थक साबित होगा।

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न' के निहितार्थ

–वीरेन्द्र मिश्र दीपक–

देश की पिछड़ी जातियों के मसीहा, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न दिया जाना निश्चित रूप से स्वागत योग्य कदम है। कर्पूरी ठाकुर निर्विवादित रूप से इस सम्मान के हकदार हैं, इसमें कोई दो राय हो ही नहीं सकती है। यह सम्मान उन्हें क्रमशः नानाजी देशमुख, प्रणब मुखर्जी, लता मंगेशकर और सचिन तेंदुलकर से भी पहले दिया गया होता तो बात कुछ और होती। यहां मेरे ऐसा लिखने के पीछे यह मंतव्य कत्तई नहीं है कि पूर्व में सम्मानित व्यक्तित्वों का देशहित में कम योगदान रहा, बल्कि इसके बनिस्बत यह कहना ज्यादा मुनासिब है कि भारतीय राजनीति में कर्पूरी ठाकुर का योगदान सर्वाधिक और अनूठा है, जिससे समूचा देश वाकिफ है। बिहार की अति पिछड़ी नाई (हज्जाम) बिरादरी में काफी निर्धन परिवार में जन्मे कर्पूरी ठाकुर लगातार पांच बार विधायक, सांसद और राज्य में दो बार उप मुख्यमंत्री तथा 1970 और 1977 में दो बार मुख्यमंत्री रहे। सत्ता में रहते हुए उन्होंने पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों के सामाजिक –आर्थिक विकास के लिए न केवल महत्वपूर्ण कदम उठाए, बल्कि सबके लिए हाईस्कूल तक मुफ्त शिक्षा देने का क्रांतिकारी फैसला लिया था, जो आज भी भारतीय राजनीतिक फैसलों में मील का पत्थर माना गया है। दोनों बार उनकी सरकार को गिराने का कार्य सरकार में शामिल उसी दल (जनसंघ) ने किया, जो आज भाजपा के रूप में उन्हें सबसे बड़े नागरिक सम्मान से सम्मानित करने जा रही है।

कर्पूरी ठाकुर जैसे अपरिग्रही राजनीतिक व्यक्तित्व को यह सम्मान मिलना भी चाहिए, मगर 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले नरेंद्र मोदी नीत केंद्र सरकार के इस फैसले को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह तरह की चर्चाएं भी सिर उठाने लगी हैं। पटना के राजनीतिक गलियारों में आज कर्पूरी ठाकुर की सौवीं जयंती पर इस बात की जोरदार चर्चा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने राजनीतिक गुरु कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग लंबे अरसे से कर रहे थे। भाजपा जब उनके साथ गलबहियां डाले हुए थी, तब नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी के रणनीतिकारों को इस जननायक की सुधि क्यों नहीं आई? अचानक कर्पूरी ठाकुर की सौवीं जयंती पर उन्हें देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मान से नवाजा जाना, और वह भी तब जब समूचा बिहार तथाकथित रामलहर को किनारे रखकर श्कर्पूरीमयश दिख रहा है, इसकी घोषणा से अचंभित है। पटना में मीडिया जगत से जुड़े हमारे कई मित्रों का यह भी कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस कदम के पीछे इंडिया गठबंधन का भय और नीतीश कुमार को फिर से अपने पाले में फिर से लाने के सिवाय कुछ भी नहीं है। वहीं बिहार भाजपा भी इसे अतिपिछड़ों को लुभाने की दिशा में नरेन्द्र मोदी का श्मास्टर स्ट्रोकश करार देकर कर्पूरी ठाकुर की जयंती मना रही है। उधर नीतीश कुमार के दिशा निर्देशन में भाजपा विरोधी सभी दल भी अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण–प्रतिष्ठा से पैदा हुए माहौल के समानांतर समूचे बिहार को श्जननायकमयश बनाने में पहले से ही जुटे हुए हैं। अकेले राजधानी पटना सभी राजनीतिक दलों द्वारा लगाए गए जननायक कर्पूरी ठाकुर के कट आऊट और बैनरों से पट गई है।

प्रखर समाजवादी विचारधारा से ताल्लुक रखने वाले कर्पूरी ठाकुर वैचारिकी और उनकी प्रतिबद्धता के बारे में बिहार की पिछड़ी जातियों का बच्चा–बच्चा वाकिफ है। स्व. मधु दंडवते की अगुवाई में भारत सरकार की ओर से जनप्रतिनिधियों का एक दल यूगोस्लाविया दौरे पर भेजा गया था, जिसमें कर्पूरी ठाकुर भी थे। वहां के शासक मार्शल टीटो की नजर भारतीय जनप्रतिनिधियों से मुलाकात के समय दौरान जब कर्पूरी ठाकुर पर पड़ी तो उन्हें उनकी फटी हुई कोट देखकर काफी आश्चर्य हुआ। मार्शल टीटो ने अपनी ओर से कर्पूरी ठाकुर को एक लांग कोट उपहार स्वरूप भेंट में दिया, जिसे भारत वापस आते ही कर्पूरी जी ने किसी और को दे दिया।

बिहार में जननायक कर्पूरी ठाकुर के कद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यहां की राजनीति आज भी उनके द्वारा बुने गए ताना–बाना के इर्द–गिर्द ही घूम रही है। लोकनायक जयप्रकाश सर्वाधिक प्रिय रहे कर्पूरी ठाकुर ने ही लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और स्व. राम बिलास पासवान का राजनीतिक व्यक्तित्व तराशने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आजीवन वही इनके मेंटर भी थे। मौजूदा समय में कर्पूरी ठाकुर के तीनों शिष्यों की पहचान अलग–अलग जरूर है, उन्हीं की विरासत इनके लिए राजनीतिक प्राणवायु आज भी है। वहीं इस सच्चाई से कोई भी इन्कार कर ही नहीं सकता है कि भाजपा आज उसी विरासत में सेंध लगाने के बेताब है, क्योंकि उसे पता है कि बिहार की सरजमीं पर उसका धर्म आधारित भावनात्मक टोटका काम आने लायक है ही नहीं। इसे ही ध्यान में रखकर उसने श्भारत रत्न सम्मानश को राजनीतिक चासनी में लपेटकर यह दांव लगाया है, ताकि बिहार में भाजपा विरोधी दलों के सबसे बड़े श्आईकानश कर्पूरी ठाकुर का चुनाव में राजनीतिक उपयोग किया जा सके। भाजपा रणनीतिकारों को अभी भी उम्मीद है कि नीतीश कुमार की इस पुरानी मांग को पूरा करके उन्हें फिर से अपने पाले में ला सकते हैं। बहरहाल राजनीति में कुछ भी संभव–असंभव नहीं होता। देखना यह है कि भाजपा के खिलाफ इंडिया गठबंधन की धुरी बन चुके नीतीश कुमार का अगला कदम क्या होता है। मो0 7007670659

स्थापना दिवस पर जाने उत्तर प्रदेश का इतिहास

–डा. राधेश्याम द्विवेदी–

उत्तर प्रदेश में ही भगवान राम कृष्ण परशुराम व गौतम बुद्ध का जन्म हुआ। माता सीता गौतम बुद्ध तथा संत कबीर ने यहीं समाधि ली थी। यहीं पर सत्यवादी राजा हरिशचन्द्र जी का जन्म हुआ। यहाँ के राजा दशरथ ने चक्रवर्ती होकर पूरे भूमंडल पर पताका फहराया था। रामायण के रचयिता वाल्मीकि सूरदास तुलसीदास, व्यास, रहीम, कबीर व जायसी आदि महान लोगों का जन्म यहीं पर हुआ था। यहाँ के 20 साल के युवा चंद्रशेखर आजाद ने अंग्रेजो के दांत खट्टे किये थे। इस प्रदेश ने देश को अनेक प्रधान मंत्री दिया है। पंडित जवाहरलाल नेहरु, लालवहादुर शास्थ्री श्रीमती इन्दिरा गांधी,राजीव गांधी, विश्वनाथ प्रताप सिंह, अटल विहारी वाजपेयी, चन्द्र शेखर आदि इसी प्रदेश की विभूतियां थी। यहाँ महान क्रांतिकारी मंगल पांडे का जन्म हुआ. यहाँ परम वीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद, कै. मनोज पांडे, यदुनाथ सिंह, योगेन्द्र यादव आदि वीरों का जन्म हुआ। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन उत्तर प्रदेश के ही हैं। यहाँ भगवती शरण बर्मा , महादेवी वर्मा, मुंशी प्रेमचंद आदि जैसे कई महान लेखको का जन्म हुआ। यहाँ बिस्मिल्लाह खान का जन्म हुआ। यहाँ आज भी दिलो में प्रेम बसता है। यहाँ से सबसे ज्यादा बच्चे देश का सबसे कठिन परीक्षाएँ आईएएस पास करते हैं। यहाँ आज भी खुद भूखे रह कर अतिथि को पहले खिलाया जाता है। यहाँ के बच्चे कोई सुविधा न होते हुए भी देश में सबसे ज्यादा सरकारी नौकरी पाते है। पूरे देश कों उत्तर प्रदेश पर गर्व है। आज भारतवासी महाराष्ट और गुजरात के लोग विशेष रुप से इस प्रदेश के लोगों को भैया कहकर एक तरह से अपमानित करतें हैं पर उत्तर प्रदेश वासी इसे अपना बड़कपन समझकर उन्हें माफ करते आ रहे हैं।

उत्तर प्रदेश का रोचक इतिहास रू–

उत्तर प्रदेश का इतिहास बहुत प्राचीन और रोचक है। उत्तर वैदिक काल में इसे ब्रह्मर्षि देश या मध्य देश के नाम से जाना जाता था। वैदिक काल के कई महान ऋषि–मुनियों, जैसे – भारद्वाज, गौतम, याज्ञवल्क्य, वशिष्ठ, विश्वामित्र और वाल्मीकि आदि की यह तपोभूमि रही है। आर्यो की अनेक पवित्र पुस्तकें भी यहीं पर लिखी गई। भारत के दो महान महाकाव्यों – रामायण और महाभारत की कथा भी इसी भू क्षेत्र पर आधारित है। उत्तर प्रदेश का इतिहास लगभग 4000 वर्ष पुराना है, जब आर्य यहाँ आये और वैदिक सभ्यता का आरम्भ हुआ, तभी से यहाँ का इतिहास मिलता है। आर्य सिन्धु और सतलुज के मैदानी भागों से यमुना और गंगा के मैदानी भाग की ओर बढ़े। उन्होंने यमुना और गंगा के मैदानी भाग और घाघरा क्षेत्र को अपना घर बनाया। उन्हीं आर्यों के नाम पर भारत देश का नाम 'आर्यावर्त' अथवा 'भारतवर्ष' पड़ा है। भरत आर्यों के एक चक्रवर्ती राजा थे, जिनके नाम और ख्याति से यह देश भारतवर्ष के नाम से जाना गया । गंगा के मैदान के बीचोंबीच की अपनी स्थिति के कारण उत्तर प्रदेश समूचे उत्तरी भारत के इतिहास का केन्द्र बिन्दु रहा है। उत्तर वैदिक काल में इसे 'ब्रहर्षि देश' या 'मध्य देश' के नाम से जाना जाता था। उत्तर प्रदेश का इतिहास बहुत प्राचीन है। उत्तर प्रदेश के इतिहास को पाँच कालों में बाँटा जा सकता है–

1.प्रागैतिहासिक एवं पौराणिक काल (लगभग 600 ई.पू. तक),

2.बौद्ध–हिन्दू (ब्राह्मण) काल (लगभग 600 ई.पू. से लगभग 1200 ई.),

3.मुस्लिम काल (लगभग 1200 से 1775 ई.),

4.ब्रिटिश काल (लगभग 1775 से 1947 ई.),

5.स्वतंत्रता पश्चात का काल (1947 से वर्तमान तक)।

1.प्रागैतिहासिक एवं पौराणिक कालरू–

पुरातत्त्व ने उत्तर प्रदेश की आरम्भिक सभ्यता पर नई रौशनी डाली है। दक्षिणी जिले प्रतापगढ़ में पाई गई मानव खोपड़ियों के अवशेष लगभग 10,000 ई. पू. के बताए गए हैं। वैदिक साहित्य और दो महाकाव्यों, रामायण व महाभारत से इस क्षेत्र के सातवीं शताब्दी ई. पू. के पहले की जानकारी मिलती है। जिसमें गंगा के मैदानों का वर्णन उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत किया गया है। महाभारत की पृष्ठभूमि राज्य के पश्चिमी हिस्से हस्तिनापुर के आसपास है, जबकि रामायण की पृष्ठभूमि पूर्वी उत्तर प्रदेश राज्य में भगवान राम का जन्मस्थान अयोध्या है। जहां 500 वर्षों तक अपने मंदिर से बाहर रहने के बाद दो दिन पूर्व ही भगवान राम को प्राण प्रतिष्ठा को अखंड विश्व ने देखा है। रामायण में हिन्दुओं के भगवान राम का प्राचीन राज्य कौशल इसी क्षेत्र में था, अयोध्या कौशल राज्य की राजधानी थी। उत्तर प्रदेश में अन्य पौराणिक स्रोत हैं–वृन्दावन व मथुरा के आसपास के क्षेत्र जहाँ कृष्ण का जन्म हुआ था। हिन्दू धर्म के अनुसार भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान कृष्ण का जन्म उत्तर प्रदेश के मथुरा शहर में हुआ था। विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक माना जाने वाला वाराणसी शहर भी इसी प्रदेश में है। वाराणसी के समीप सारनाथ का स्तूपभगवान बुद्ध के लिए प्रसिद्ध है। समय के साथ साथ यह विशाल क्षेत्र छोटे–छोटे राज्यों में विभाजित हो गया और गुप्त, मौर्य और कुषाण साम्राज्यों का भाग बन गया। 7वीं शताब्दी में कन्नौज गुप्त साम्राज्य का प्रमुख केन्द्र बन गया था।

2. बौद्ध–हिन्दू (ब्राह्मण) काल में दो नए –जैन और बौद्ध धर्मों का विकास –

ईसा पूर्व छठी शताब्दी में उत्तर प्रदेश में दो नए धर्मों– जैन और बौद्ध का विकास हुआ। बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में दिया और बौद्ध धर्म की शुरुआत की। उत्तर प्रदेश के ही कुशीनगर में उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश के कई नगर जैसे–अयोध्या, प्रयाग, वाराणसी और मथुरा विद्या अध्ययन के लिए प्रसिद्ध केंद्र थे। मध्य काल में उत्तर प्रदेश मुस्लिम शासकों के अधीन हो गया था, जिससे हिन्दू और इस्लाम धर्म के पास आने से एक नई मिली– जुली संस्कृति का विकास हुआ। तुलसीदास, सूरदास, रामानंद और उनके मुस्लिम शिष्य कबीर के अतिरिक्त अन्य कई संत पुरुषों ने हिन्दी और अन्य भाषाओं के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। सातवीं शताब्दी ई. पू. के अन्त से भारत और उत्तर प्रदेश का व्यवस्थित इतिहास आरम्भ होता है, जब उत्तरी भारत में 16 महाजनपद श्रेष्ठता की दौड़ में शामिल थे, इनमें से सात वर्तमान उत्तर प्रदेश की सीमा के अंतर्गत थे। बुद्ध ने अपना पहला उपदेश वाराणसी (बनारस) के निकट सारनाथ में दिया और एक ऐसे धर्म की नींव रखी, जो न केवल भारत में, बल्कि चीन व जापान जैसे सुदूर देशों तक भी फैला। कहा जाता है कि, बुद्ध को कुशीनगर में परि निर्वाण (शरीर से मुक्त होने पर आत्मा की मुक्ति) प्राप्त हुआ था, जो पूर्वी जिले देवरिया में स्थित है। पाँचवीं शताब्दी ई. पू. से छठी शताब्दी ई. तक उत्तर प्रदेश अपनी वर्तमान सीमा से बाहर केन्द्रित शक्तियों के नियंत्रण में रहा, पहले मगध, जो वर्तमान बिहार राज्य में स्थित था, और बाद में उज्जैन, जो वर्तमान मध्य प्रदेश राज्य में स्थित है। इस राज्य पर शासन कर चुके इस काल के महान शासकों में चन्द्रगुप्त प्रथम (शासनकाल लगभग 330–380 ई.) व अशोक (शासनकाल लगभग 268 या 265–238), जो मौर्य सम्राट थे और समुद्रगुप्त (लगभग 330–380 ई.) और चन्द्रगुप्त द्वितीय हैं (लगभग 380–415 ई., जिन्हें कुछ विद्वान विक्रमादित्य मानते हैं)। एक अन्य प्रसिद्ध शासक हर्षवर्धन (शासनकाल 606–647) थे। जिन्होंने कान्यकुब्ज (आधुनिक कन्नौज के निकट) स्थित अपनी राजधानी से समूचे उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पंजाब और राजस्थान के कुछ हिस्सों पर शासन किया। इस काल के दौरान बौद्ध और हिन्दू (ब्राह्मण) संस्कृति, दोनों का उत्कर्ष हुआ। अशोक के शासनकाल के दौरान बौद्ध कला के स्थापत्य व वास्तुशिल्प प्रतीक अपने चरम पर पहुँचे। गुप्त काल (लगभग 320–550) के दौरान हिन्दू कला का भी अधिकतम विकास हुआ। लगभग 647 ई. में हर्ष की मृत्यु के बाद हिन्दूवाद के पुनरुत्थान के साथ ही बौद्ध धर्म का धीरे–धीरे पतन हो गया। इस पुनरुत्थान के प्रमुख रचयिता दक्षिण भारत में जन्मे शंकर थे, जो वाराणसी पहुँचे, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मैदानों की यात्रा की और हिमालय में बद्रीनाथ में प्रसिद्ध मन्दिर की स्थापना की। इसे हिन्दू मतावलम्बी चौथा एवं अन्तिम मठ (हिन्दू संस्कृति का केन्द्र) मानते हैं।

3. मुस्लिम काल–

इस क्षेत्र में हालांकि 1000–1030 ई. तक मुसलमानों का आगमन हो चुका था, लेकिन उत्तरी भारत में 12वीं शताब्दी के अन्तिम दशक के बाद ही मुस्लिम शासन स्थापित हुआ, जब मुहम्मद गोरी ने गहड़वालों (जिनका उत्तर प्रदेश पर शासन था) और अन्य प्रतिस्पर्धी वंशों को हराया था। लगभग 600 वर्षों तक अधिकांश भारत की तरह उत्तर प्रदेश पर भी किसी न किसी मुस्लिम वंश का शासन रहा, जिनका केन्द्र दिल्ली या उसके आसपास था। 1526 ई. में बाबर ने दिल्ली के सुल्तान इब्राहीम लोदी को हराया और सर्वाधिक सफल मुस्लिम वंश, मुग़ल वंश की नींव रखी। इस साम्राज्य ने 200 वर्षों से भी अधिक समय तक उपमहाद्वीप पर शासन किया। इस साम्राज्य का महानतम काल अकबर(शासनकाल 1556–1605 ई.) का काल था, जिन्होंने आगरा के पास नई शाही राजधानी फ़तेहपुर सीकरी का निर्माण किया। उनके पोते शाहजहाँ (शासनकाल 1628–1658 ई.) ने आगरा में ताजमहल (अपनी बेगम की याद में बनवाया गया मकबरा, जो प्रसव के दौरान चल बसी थीं) बनवाया, जो विश्व के महानतम वास्तु शिल्पीय नमूनों में से एक है। शाहजहाँ ने आगरा व दिल्ली में भी वास्तुशिल्प की दृष्टि से कई महत्त्वपूर्ण इमारतें बनवाईं थीं। उत्तर प्रदेश में केन्द्रित मुग़ल साम्राज्य ने एक नई मिश्रित संस्कृति के विकास को प्रोत्साहित किया। अकबर इसके महानतम प्रतिपादक थे, जिन्होंने बिना किसी भेदभाव के अपने दरबार में वास्तुशिल्प, साहित्य, चित्रकला और संगीत विशेषज्ञों को नियुक्त किया था। हिन्दुत्व और इस्लाम के टकराव ने कई नए मतों का विकास किया, जो इन दोनों और भारत की विभिन्न जातियों के बीच आम सहमति कघयम करना चाहते थे। भक्ति आन्दोलन के संस्थापक रामानन्द (लगभग 1400– 1470 ई.), जिनका दावा था कि, मुक्ति लिंग या जाति पर आश्रित नहीं है और सभी धर्मों के बीच अनिवार्य एकता की शिक्षा देने वाले कबीर ने उत्तर प्रदेश में मौजूद धार्मिक सहिष्णुता के ख्ध्लिाफ अपनी लड़ाई केन्द्रित की। 18वीं शताब्दी में मुग़लों के पतन के साथ ही इस मिश्रित संस्कृति का केन्द्र दिल्ली से लखनऊ चला गया, जो अवध (वर्तमान अयोध्या) के नवाब के अन्तर्गत था और जहाँ साम्प्रदायिक सदभाव के माहौल में कला, साहित्य, संगीत और काव्य का उत्कर्ष हुआ।

4. ब्रिटिश काल–

1857–1859 ई. के बीच ईस्ट इण्डिया कम्पनी के विरुद्ध हुआ विद्रोह मुख्यतरू पश्चिमोत्तर प्रान्त तक सीमित था। 10 मई, 1857 ई. को मेरठ में सैनिकों के बीच भड़का विद्रोह कुछ ही महीनों में 25 से भी अधिक शहरों में फैल गया।

1857 में अंग्रेजी फौज के भारतीय सिपाहियों ने बगावत कर दी थी। यह बगावत लगभग एक वर्ष तक चली और धीरे धीरे यह बगावत पूरे उत्तर भारत में फैल गयी। इसी बगावत को भारत का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम नाम दिया गया। यह बगावत मेरठ शहर से शुरु हुई। जिसका कारण अंग्रेजों द्वारा गाय और सुअर की चर्बी से बने कारतूस थे। इस बगावत की वजह लॉर्ड डलहौजी की राज्य हड़पने की नीति भी थी। यह संग्राम मुख्यतः दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, झाँसी और बरेली में लड़ा गया। इस संग्राम में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, अवध की बेगम हजरत महल, बख्श्त खान, नाना साहेब, तात्या टोपे आदि अनेक देशभक्तों ने भाग लिया।

1858 ई. में विद्रोह के दमन के बाद पश्चिमोत्तर और शेष ब्रिटिश भारत का प्रशासन ईस्ट इण्डिया कम्पनी से ब्रिटिश ताज को हस्तान्तरित कर दिया गया। 1880 ई. के उत्तरार्द्ध में भारतीय राष्ट्रवाद के उदय के साथ संयुक्त प्रान्त स्वतंत्रता आन्दोलन में अग्रणी रहा। प्रदेश ने भारत को मोतीलाल नेहरू, मदन मोहन मालवीय, जवाहरलाल नेहरू और पुरुषोत्तमदास टंडन जैसे महत्त्वपूर्ण राष्ट्रवादी राजनीतिक नेता दिए। 1922 में भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिलाने के लिए किया गया महात्मा गांधी का असहयोग आन्दोलन पूरे संयुक्त प्रान्त में फैल गया, लेकिन चौरी चौरा गाँव (प्रान्त के पूर्वी भाग में) में हुई हिंसा के कारण महात्मा गांधी ने अस्थायी तौरर पर आन्दोलन को रोक दिया। संयुक्त प्रान्त मुस्लिम लीग की राजनीति का भी केन्द्र रहा। ब्रिटिश काल के दौरान रेलवे, नहर और प्रान्त के भीतर ही संचार के साधनों का व्यापक विकास हुआ। अंग्रेजों ने यहाँ आधुनिक शिक्षा को भी बढ़ावा दिया और यहाँ पर लखनऊ विश्वविद्यालय (1921 में स्थापित) जैसे विश्वविद्यालय व कई महाविद्यालय स्थापित किए।लगभग 75 वर्ष की अवधि में वर्तमान उत्तर प्रदेश के क्षेत्र का ईस्ट इण्डिया कम्पनी (ब्रिटिश व्यापारिक कम्पनी) ने धीरे–धीरे अधिग्रहण किया। विभिन्न उत्तर भारतीय वंशों 1775, 1798 और 1801 में नवाबों, 1803 में सिंधिया और 1816 में गोरखों से छीने गए प्रदेशों को पहले बंगाल प्रेजिडेन्सी के अन्तर्गत रखा गया, लेकिन 1833 में इन्हें अलग करके पश्चिमोत्तर प्रान्त (आरम्भ में आगरा प्रेजिडेन्सी कहलाता था) गठित किया गया। 1856 ई. में कम्पनी ने अवध पर अधिकार कर लिया और आगरा एवं अवध संयुक्त प्रान्त (वर्तमान उत्तर प्रदेश की सीमा के समरूप) के नाम से इसे 1877 ई. में पश्चिमोत्तर प्रान्त में मिला लिया गया।

उत्तर प्रदेश राज्य की बौद्धिक श्रेष्ठता ब्रिटिश शासन काल में भी बनी रही। 1902 में 'नार्थ वेस्ट प्रोविन्स' का नाम बदल कर 'यूनाइटिड प्रोविन्स ऑफ आगरा एण्ड अवध' कर दिया गया। साधारण बोलचाल की भाषा में इसे 'यू. पी.' कहा गया। सन् 1920 में प्रदेश की राजधानी को इलाहाबाद के स्थान पर लखनऊ बना दिया गया। प्रदेश का उच्च न्यायालय इलाहाबाद में ही बना रहा और लखनऊ में उच्च न्यायालय की एक न्यायपीठ शाखा (हाईकोर्ट बैंच) स्थापित की गयी। बाद में 1935 में इसका संक्षिप्त नाम 'संयुक्त प्रांत' प्रचलित हो गया।

5. स्वतंत्रता पश्चात का काल––

1947 में संयुक्त प्रान्त नव स्वतंत्र भारतीय गणराज्य की एक प्रशासनिक इकाई बना। दो साल बाद इसकी सीमा के अन्तर्गत स्थित, टिहरी गढ़वाल और रामपुर के स्वायत्त राज्यों को संयुक्त प्रान्त में शामिल कर लिया गया। 1950 में नए संविधान के लागू होने के साथ ही संयुक्त प्रान्त का नाम उत्तर प्रदेश रखा गया और यह भारतीय संघ का राज्य बना। स्वतंत्रता के बाद से भारत में इस राज्य की प्रमुख भूमिका रही है। इसने देश को जवाहर लाल नेहरू और उनकी पुत्री इंदिरा गांधी सहित कई प्रधानमंत्री, सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापक आचार्य नरेन्द्र देव, जैसे प्रमुख राष्ट्रीय विपक्षी (अल्पसंख्यक) दलों के नेता और भारतीय जनसंघ, बाद में भारतीय जनता पार्टी व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेता दिए हैं। राज्य की राजनीति, हालांकि विभाजनकारी रही है और कम ही मुख्यमंत्रियों ने पाँच वर्ष की अवधि पूरी की है।

संयुक्त प्रांत' का नाम बदल कर 'उत्तर प्रदेश' हुआ ––

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 24 जनवरी 1950 में 'संयुक्त प्रांत' का नाम बदल कर 'उत्तर प्रदेश' रखा गया। प्रदेश का नाम पूर्व में यूनाइटेड पविन्सेंस था, जिसे गवर्मेंट ऑफ इण्डिया एक्ट, 1935 के तहत 24 जनवरी, 1950 को परिवतिर्त कर उत्तर प्रदेश कर दिया गया था, जो गजट ऑफ इण्डिया एक्स्ट्राऑडिर्नरी में दिनांक 24 जनवरी, 1950 को प्रकाशित हुआ। गोविंद बल्लभ पंत इस प्रदेश के प्रथम मुख्य मन्त्री बने। अक्टूबर 1963 में सुचेता कृपलानी उत्तर प्रदेश और भारत की 'प्रथम महिला मुख्यमन्त्री' बनीं। सन 2000 में भारतीय संसद ने उत्तर–प्रदेश के उत्तर पश्चिमी, पूर्वोत्तर उत्तर प्रदेश के मुख्यतः पहाड़ी भाग गढ़वाल और कुमाऊँ मण्डल को मिला कर उत्तर प्रदेश को विभाजित कर उत्तरांचल राज्य का निर्माण किया, जिसका नाम बाद में बदल कर उत्तराखंड कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश की अधिकांश झीलें कुमाऊँ क्षेत्र में हैं।

इलाहाबाद में प्रत्येक बारहवें वर्ष कुंभ मेला आयोजित होता है जो कि संभवतः दुनिया का सबसे बड़ा मेला है। इसके अलावा इलाहाबाद में प्रत्य्येक 6 साल में अर्द्ध कुंभ मेले का आयोजन भी होता है। इलाहाबाद में ही प्रत्य्येक वर्ष जनवरी में माघ मेला भी आयोजित होता है, जहां बड़ी संख्या में लोग संगम में डुबकी लगाते हैं। अन्य मेलों में मथुरा, वृंदावन व अयोध्ध्या के झूला मेले शामिल हैं।

अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट चौकी इंचार्ज को पीटा, वीडियो वायरल

संवाददाता–महराजगंज। बुधवार को वकीलों ने कलक्ट्रेट पुलिस चौकी के इंचार्ज दारोगा दुर्गेश सिंह की जमकर पिटाई कर दी। दारोगा ने बचने के लिए भागने की कोशिश की तो उन्हें दौड़ा–दौड़ाकर पीटा गया। पूरी घटना तहसील कार्यालय गेट के पास एसपी दफ्तर के सामने ही घटी। घटना का कारण एक वकील से दारोगा का जमीन को लेकर विवाद बताया जा रहा है। अचानक दारोगा की पिटाई से मौके पर हड़कंप मच गया। एक सिपाही ने दारोगा को बचाने की कोशिश भी की लेकिन तब तक उसे वकील ठीक से पीट चुके थे। घटना का वीडियो भी कई लोगों ने बनाया और अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एसपी सोमेंद्र मीणा ने इस बारे में बार के पदाधिकारियों से बातचीत कर आगे कार्रवाई की बात कही है। बताया जाता है कि दारोगा ने जमीन विवाद के मामले में मारपीट को लेकर 22 जनवरी को एक वकील के खिलाफ शांति भंग की धाराओं में कार्रवाई की थी। आरोप है कि दारोगा से उसी मामले पर जब वकील ने पूछताछ की तो उसने दुर्व्यवहार किया। इसकी ही शिकायत करने वकीलों का दल एसपी के पास गया था।

एसपी से वकीलों ने कहा कि कलक्ट्रेट चौकी पुलिस ने एक वकील के खिलाफ केस दर्ज किया था। उस मामले में जब वे कलक्ट्रेट चौकी पर पहुंचे तो उनके साथ अभद्रता की गई। चौकी में वकील को पीटने का भी आरोप वकीलों ने लगाया। एसपी ने उन्हें दो घंटे के अंदर कार्रवाई का आश्वासन दिया था। इसी बीच कलक्ट्रेट चौकी इंचार्ज दुर्गेश सिंह पैदल ही एसपी ऑफिस की तरफ आते दिखाई दिए तो उनसे बहस हो गई। इसी बीच कुछ हाथापाई शुरू हो गई। वकीलों ने दारोगा को घेरना चाहा तो उन्होंने बचने के लिए भागने की कोशिश की। इस पर वकीलों ने उन्हें दौड़ा लिया और गिराकर पीटा।

चौकी इंचार्ज को पिटता देख पुलिस दफ्तर और कलक्ट्रेट चौकी से सिपाही दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे और घेरकर उन्हें बचाया। वहीं, एसपी ने घटना को लेकर जांच की बात कही है। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को बैठक के लिए बुलाया गया है। बैठक में बातचीत के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

धूमधाम से मनाया गया उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस

संवाददाता–श्रावस्ती। कलेक्ट्रेट स्थित तथागत सभागार में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। बुधवार को कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम कृतिका शर्मा ने किया। कार्यक्रम में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वहीं अधिकारियों ने लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में 24 से 26 जनवरी तक यूपी स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। पहले दिन कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम कृतिका शर्मा ने किया। जिला बीएसए अमिता सिंह व जिला समाज कल्याण अधिकारी डा अमरनाथ यति और सहायक निदेशक मत्स्य सुरेश कुमार ने अधिकारियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हरिहरपुररानी की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जबकि सूचना एवं संस्कृति विभाग के कलाकार एसपी चौहान एण्ड पार्टी की ओर से उत्तर प्रदेश दिवस एवं भगवान श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भगवान श्रीराम के जीवन वर्णन पर आधारित विभिन्न लोकगीत जैसे अयोध्या कर रही जय जयकार, विराजे रामलला सरकार, यूपी में खिला फूलगेनवा, मेरी खुशियों के भाग जग गये है, राम आ गये है एवं मेरी झोपड़ी के भाग खुल जायेंगे, राम आयेंगे आदि गीत प्रस्तुत किये। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहर को सहेजने का अवसर है। उत्तर प्रदेश दिवस को स्थापना दिवस के रूप में प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि 1950 के पहले यूपी को यूनाइटेड प्राविन्स के नाम से जाना जाता था। 24 जनवरी 1950 के इसका नाम उत्तर प्रदेश रखा गया। पहले उत्तराखण्ड भी इसी प्रदेश का हिस्सा हुआ करता था। सीडीओ ने कहा कि प्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व को उत्सव के रूप में मनाने का दिवस है। इस दौरान विभिन्न विभागों की ओर से प्रदर्शनी एवं स्टॉल भी लगाये गये। जिसमें कृषि विभाग, उद्योग विभाग, डिजिटल उत्तर प्रदेश, साईबर सुरक्षा, खादी एवं ग्रामोद्योग, ग्राम्य विकास विभाग, जिला पूर्ति विभाग, होम्योपैथिक, मत्स्य, स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस, कौशल विकास, स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों आदि स्टाल लगाये गये है। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक अजीत उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मोहम्मद अहमद फरीद खान, जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी रोशन लाल पुष्कर आदि मौजूद रहे।

26 जनवरी को लेकर नेपाल से सटे जिले के सीमाई क्षेत्रों में हाई अलर्ट, क्लोज सर्किट और ड्रोन कैमरे लगे

संवाददाता–महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा पर सोनौली और ठूठीबाड़ी चौकी पर मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं। सीमा पार से तस्करी को रोकने के लिए नशीले पदार्थों और हथियारों का पता लगाने में प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड को तैनात किया गया है। इन कुत्तों को हथियारों और नशीले पदार्थों का पता लगाने के लिये विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।उन्होंने कहा कि डॉग स्क्वायड की तैनाती के बाद सीमावर्ती क्षेत्र में संदिग्ध लोगों की जांच करने में मदद मिलेगी। गणतंत्र दिवस समारोह से पहले नेपाल से सटे जिले के क्षेत्रों में सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।सशस्त्र सीमा बल के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अखिलेश्वर सिंह ने बताया कि आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर क्षेत्र में असामाजिक तत्वों की आवाजाही को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को लोगों को सीमा पार करने की अनुमति देने से पहले उनकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और राष्ट्र विरोधी तत्वों की घुसपैठ को रोकने के लिये एसएसबी ने नेपाल की ओर जाने वाले हर मार्ग पर क्लोज सर्किट और ड्रोन कैमरे लगाए हैं। ये कैमरे मुख्य सड़कों के अलावा एसएसबी चौकियों पर भी लगाए गए हैं। भारत–नेपाल सीमा पर सोनौली और ठूठीबाड़ी चौकी पर मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं। सीमा पार से तस्करी को रोकने के लिए नशीले पदार्थों और हथियारों का पता लगाने में प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड को तैनात किया गया है। इन कुत्तों को हथियारों और नशीले पदार्थों का पता लगाने के लिये विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।उन्होंने कहा कि डॉग स्क्वायड की तैनाती के बाद सीमावर्ती क्षेत्र में संदिग्ध लोगों की जांच करने में मदद मिलेगी।सिंह ने कहा कि नेपाली सुरक्षा एजेंसियों की भी मदद ली जा रही है ताकि कोई भी राष्ट्रविरोधी तत्व भारतीय सीमा में घुसपैठ न कर सके। महराजगंज जिला नेपाल के साथ 84 किलोमीटर लंबी खुली सीमा साझा करता है।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और महराजगंज में नेपाल सीमा पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और पुलिस सरहद से सटे भीड़भाड़ वाले इलाकों और ढाबों पर संदिग्ध लोगों की जांच कर रही है। इसके साथ ही सोनौली स्थित भारत–नेपाल सीमा से गुजरने वाले लोगों और वाहनों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।उत्तर प्रदेश का महराजगंज जिला नेपाल के साथ 84 किलोमीटर लंबी खुली सीमा साझा करता है।

प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंचा प्रेमी, भाई ने पकड़ा, पुलिस को देख फंदे से झूला

संवाददाता–देवरिया। एक गांव में एक प्रेमी अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंच गया। वह प्रेमिका के कमरे में छज्जे पर चढ़कर छिप गया। इस दौरान कोचिंग पढ़ने जा रहे प्रेमिका के भाई की नजर उसपर पड़ गई। उसके भाई ने धीरे से बाहर से दरवाजा बंद कर दिया और ताला लगा दिया। घरवालों को सूचित कर तुरंत पुलिस बुला लिया। सूचना मिलते ही च्व्ट 112 पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखकर प्रेमी ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और पंखे से फांसी लगाकर झूल गया। ये देखकर पुलिस ने आनन–फानन में दरवाजा तोड़ा और अंदर जाकर फंदे पर लटक रहे युवक को जल्दी से उतारकर अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका इलाज किया गया। गनीमत इस बात की है कि उस युवक की जान बचा ली गई। खुखुंदु थाना प्रभारी दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि घटना मंगलवार 23 जनवरी की है। लड़की के माता–पिता किसी काम से बाहर गए हुए थे। इसी बीच लड़की का प्रेमी उससे मिलने घर पहुंच गया। जहां पर लड़की के भाई की नजर प्रेमी पर पड़ गई। पुलिस को देख कर प्रेमी ने फांसी लगाने का प्रयास किया लेकिन समय रहते उसे बचा लिया गया। बताया जा रहा है कि प्रेमी और प्रेमिका का प्रेम प्रसंग पिछले लगभग डेढ़ वर्षों से चल रहा था। प्रेमी जोड़ी को पहले भी कई बार लड़की के घरवालों ने पकड़ा था, और हिदायत देने के बाद छोड़ दिया था।

बन गया मंदिर रामलला का, रहेंगे पूरे ठाठ से

संवाददाता–बहराइच। श्री राम जानकी मंदिर हमजापुरा में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् बहराइच के तत्वावधान में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा पर सरस काव्य गोष्ठी हुई। जिसमें बड़ी संख्या में कवि, लेखक, साहित्यकार श्रद्धालु शामिल रहे। भाग लिया। कवि शिव कुमार सिंह रैकवार ने अध्यक्षता की। साहित्यकार राम संवारे द्विवेदी चातक मुख्य अतिथि थे। जिला महामंत्री रमेश चन्द्र तिवारी के सञ्चालन में काव्य पाठ हुआ। उन्होंने पढ़ा– प्रधानमंत्री मोदी ने जन–मानस में राम का प्रवेश कराकर उन्हें स्वयं पर विजय दिलायी, परिणामस्वरूप आज राम लला का प्राण प्रतिष्ठा संभव हो सका। राष्ट्रजन के धन से निर्मित राम मंदिर सर्वजन का कल्याण करेगा।

राम सूरत वर्मा जलज ने मां भारती की वंदना की। प्रान्तीय उपाध्यक्ष गुलाब चन्द्र जायसवाल ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए अयोध्या में राम मंदिर और प्राण प्रतिष्ठा उत्सव पर पढ़ा– जब राम अवध में आते हैं, सुर नर मुनि सब सुख पाते हैं, धूप दीप रोली रंगोली सब घर बार सजाते हैं। रमेश चन्द्र तिवारी ने पढ़ा– ऊंच और नीच दोनों धर्मी व विधर्मी के हैं, पशु और पक्षी के हैं, राजा राम सबके। रावण के राम तो विभीषण के राम हैं, रविदास राम के हैं, दास तुलसी उनके। सुभाषित श्रीवास्तव अकिंचन ने पढ़ा– दुलहन सम सजी अयोध्या नगरी, आये सबके प्रिय करुणा निधि राम। अर्पण शुक्ल ने कविता पढा– जीवन का संताप खतम हो जायेगा, हर शापित का शाप खतम हो जाएगा। सकल विश्व अनुसरण राम का कर लेगा, उस दिन जग से पाप खतम हो जायेगा।

रुचि मटरेजा ने पढ़ा– प्राण प्रतिष्ठा का दिन आज खुश है सारा विश्व समाज। वीरेश पांडेय ने पढ़ा– राम की नीतियां जो कि आदर्श हैं, राम पर नीतियों में सताये गए। पितृ–भक्ति का यश जिनका संसार में, निज सुतों की प्रत्यंचा पे लाये गए। रवि प्रताप पाठक गुलशन ने गाया –अवध शिरोमणि प्रभु राम ने वर्षों काटे टाट में, बन गया मंदिर रामलला का रहेंगे पूरे ठाठ से। जगदीश भारती ने पढ़ा– मोदी योगी जी कमल खिलैहैं, सन चौबीस मां फिर अइहैं। लक्ष्मी त्रिपाठी मृदुल ने पढ़ा – शेष सहस गुण जिनका गा न सके, योगी मुनि भी पता तक लगा न सके। प्रेम का पंथ इतना निराला मृदुल, राम आये तो आ करके जा न सके। विनोद कुमार पांडेय ने दोहे प्रस्तुत किए–पांच सदी की कठिन परीक्षा पूर्ण हुई निष्काम, भक्तों को दर्शन मिला दृश्य हुआ अभिराम।

आर पंडित मशरिकी ने भोजपुरी में गीत प्रस्तुत किया– राउर स्वागत आज करत में, फरल फुलाइल बा बहराइच। राकेश रस्तोगी विवेकी ने भजन सुनाया – राम भजो प्यारे, सत्कर्म करो प्यारे। विमलेश विमल ने बड़ी भावात्मक पंक्तियां प्रस्तुत करते हुए कहा– कोठरी बंधुओं के नाम दो दीपक जलाना न भूलें। उमा प्रसाद वर्मा, प्रेम कुमार जालान, आशुतोष पांडेय, अर्चित पाठक, राजेश आत्मज्ञानी, मंजुला पाठक, रचना गुप्ता, बैजनाथ सिंह, धनञ्जय कुमार शर्मा आदि ने भी अपनी गजल, गीत, भक्ति भाव के पद से सबको भाव विभोर किया। प्रेम प्रकाश जायसवाल, सियाराम वर्मा, शिव प्रसाद, देवीदीन, मंगल प्रसाद, राम गोपाल चौधरी आदि श्रोता उपस्थित थे।

मृतक रेल कर्मी के आवास पर पहुंचे अधिकारी

संवाददाता–बहराइच। रेल विभाग में की मैन के पद पर तैनात रेल कर्मी की किसी ट्रेन से कटकर मंगलवार को मौत हो गई थी। सूचना मिलने पर पहुंचे रेल के जिम्मेदार अधिकारियों ने मृतक के परिजनों को अहेतुक सहायता देने के साथ ही विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है। गोरखपुर जिले के गोलघर थाने के धर्मशाला बाजार निवासी 47 वर्षीय राम अवतार पुत्र राम दुलारे लखनऊ– गोरखपुर रेल प्रखंड गोंडा जिला स्थित सरजू स्टेशन पर की मैन के पद पर तैनात थे।

जरवलरोड रेलवे कॉलोनी में रह रहे रेलकर्मी मंगलवार सुबह पांच बजे ड्यूटी के लिए निकला था। काफी देर तक आवास न पहुंचने पर अन्य रेल कर्मियों ने उसकी तलाश शुरू की। मंगलवार शाम करीब चार बजे रेलकर्मी राम औतार सरयू स्टेशन के निकट रेलवे ट्रैक के बीचो बीच मृतक पाया गया। सूचना मिलने पर पहुंचे रेलवे लखनऊ से आए मुख्य हित निरीक्षक संतोष गुप्ता ने बताया मृतक के परिजनों 25 हजार रुपए की तत्काल सहायता दी गई है। शव गोंडा से सरयू स्टेशन लाया गया, जहां परिजनों की उपस्थिति में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

रामलला के दर्शनार्थियों के लिए चलाया जा रहा है बृहद भंडारा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। स्वामीनारायण संप्रदाय के आचार्य महाराज कौशलेंद्र प्रसाद महाराज के आशीर्वाद एवं आज्ञा से गुजरात अहमदाबाद भुज कच्छ स्वामीनारायण मंदिर के सद्गुरु महंत स्वामी धर्मानंद दास के द्वारा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर अयोध्या स्वामी नारायण मंदिर रायगंज अयोध्या के महंत शास्त्री स्वामी अखिलेश्वर दास महाराज के संयोजन में गुजरात भवन दंत धवन कुंड में वृहद भंडारे का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रभु श्री राम लला के दर्शन करने वाले देश के कोने–कोने से आने वाले श्रद्धालु भरपेट भोजन कर सकते हैं। भोजन करने वाले श्रद्धालुओं ने बताया कि भोजन बहुत ही स्वादिष्ट बनाया जाता है श्री महाराज जी ने बताया कि प्रत्येक समय भोजन बदल के बनाया जाता है जिसमें दाल चावल रोटी पूरी सब्जी हलवा मगज आदि प्रत्येक समय श्रद्धालुओं को भोजन कराया जाता है। उन्होंने बताया कि भंडारे के साथ–साथ श्री स्वामीनारायण मंदिर भुज कच्छ द्वारा अखंड भंडारे के साथ हरि नाम संकीर्तन सुंदरकांड का पाठ हनुमान चालीसा का पारायण दंत धवन कुंड गुजरात भवन में कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के वेद पाठी विद्यार्थियों को बुलाकर के भी यह पाठ कराया जाएगा और इसकी पूर्णाहुति पर हवन पूजन भी किया जाएगा जिसका आयोजन किया जा रहा है और सुंदरकांड के साथ हनुमान चालीसा का अखंड संकीर्तन एवं पथ गुजरात भवन में प्रारंभ हो गया है।

वित्तीय साक्षरता व वित्तीय ज्ञान कैम्प का हुआ आयोजन

संवाददाता–बहराइच। हुजूरपुर ब्लॉक के ग्राम बसंतपुर में बुधवार को वित्तीय साक्षरता कैम्प का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुए एवोक इंडिया से पवन पाठक के मंडल प्रमुख सीएफएल ने वित्तीय मामलों पर आधारित कुछ बिंदुओं के माध्यम से सभी की समृद्धि पर प्रकाश डाला। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को वित्तीय बचत से जुड़े प्रावधानों के बारे में जानकारी देना था। एलडीएम जितेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने कहा कि बचत व निवेश की सही जानकारी से वे किस प्रकार अपने वेतन से बहुत ही न्यूनतम राशि का निवेश करके अपना भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, डेबिट कार्ड में एक्सीडेंटल इंश्योरेंस के फायदे के बारे में उन्हें जागरूक किया गया। महंगे कर्ज और बीमारी के कारण परिवार मुसीबत में आ जाते हैं, इसलिए नियमित निवेश, बचत और बीमा की जानकारी सभी वर्गों को होनी चाहिए। सभी लोगों को कम से कम महीने में तीन बार अपने डेबिट कार्ड का उपयोग करना चाहिए। यह भी बताया गया कि किस प्रकार एक कैंप में खाता एवं योजनाओं से जुड़ने की सुविधा एवोक इंडिया की ओर से प्राप्त कर पाएंगे। सीएफएल हुजूरपुर केडीसी रमेश कुमार मिश्रा ने वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार जताया। समूह सखी कोमल, अध्यक्ष राधिका देवी, कोषाध्यक्ष अर्चना, सचिन, मीना कुमारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

सूकरखेत में लाखों श्रद्धालु आज लगाएंगे डुबकी

संवाददाता–गोण्ड। सदियों से लघु प्रयाग के नाम से प्रसिद्ध ग्राम पसका सूकरखेत स्थित पतित पावन सरयू नदी में गुरुवार को पौष पूर्णिमा के उपलक्ष्य में कल्पवासी एवं लाखों श्रद्धालु स्नान के साथ ही गोस्वामी तुलसीदास के गुरु नरहरिदास द्वारा संस्थापित भगवान वाराहदेव मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे। बुधवार को कड़ाके की ठंडक व गलन के बावजूद श्रद्धालुओं एवं मेलार्थियों के आगमन से सरयू तट एवं पसका क्षेत्र में चहल पहल बढ़ गई। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए चाक चौबंद व्यवस्था की गयी है। मुख्य स्नान की पूर्व संध्या पर सनातन धर्म परिषद व पसका विकास मंच की ओर से आयोजित तीन दिवसीय विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ संतों द्वारा बाराह मंदिर में पूजा अर्चना एवं सरयू महारानी की महा आरती से हुआ। यहां नदी के तट पर माह भर से फूस की कुटिया में तप कर रहे सैकड़ों साधु संत व कल्पवासियों कल्पवास बुधवार की अर्द्धरात्रि के बाद परायण होगा। इसके बाद ब्रह्म मूहुर्त पर स्नान ध्यान को साधु संतों व श्राद्धालुओ की भीड़ जुटेगी। एसडीएम विशाल कुमार मेला भ्रमण कर निरंतर जायजा ले रहे थे।

उदासीन आश्रम रानोपाली में पुंडरीक महाराज की श्रीमद् भागवत कथा आज से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि में प्रभु श्री राम लाल के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के बाद श्री उदासीन संगत ऋषि आश्रम रानोपाली अयोध्या में 23 जनवरी से महंत भरत दास की अध्यक्षता में मनाया जा रहा है भए प्रगट कृपाला दीन दयाला महोत्सव जिसमें 23 जनवरी से श्री राम लला महंत राजेंद्र दास महाराज ने मानस का नवाह परायण सुन रहे हैं और 25 जनवरी से श्री राम लाल को पुंडरीक गोस्वामी जी महाराज सुनेंगे श्रीमद् भागवत कथा। भरत दास महाराज ने बताया कि राम लला प्राण प्रतिष्ठा हो गई है तो उन्हें सर्वप्रथम मानस का पाठ सुनाया जाए और श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कराया जाए इस उद्देश्य से यह कार्यक्रम 23 तारीख से प्रारंभ हुआ और 31 जनवरी तक चलेगा। पुंडरीक महाराज ने बताया कि यह पूरा आयोजन यू.एस.ए. डॉ राम गर्ग एवं श्रीमती मिनी गर्ग द्वारा किया जा रहा है। यह पूरा कार्यक्रम सुबह 6 से प्रारंभ होकर रात्रि 9 बजे तक चलेगा। सुबह 6 से 9 तक मानस नवाह पारायण और श्रीमद् भागवत कथा दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक होगी। प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे जिसमें 25 जनवरी को बॉलीवुड सिंगर बी पार्क, 26 जनवरी को श्रीमती तेजस्विनी शर्मा, 27 जनवरी को निमाई पाठशाला द्वारा हरि के हरि भाव प्रस्तुति होगी। 28 जनवरी को प्रातः 8 बजे पंचकोसी परिक्रमा और शाम के सत्र में ब्रजरत्न बंदना श्री मथुरा की संगीत, 29 जनवरी को पद्म भूषण श्री राजन मिश्रा और 30 जनवरी को पद्मश्री मालिनी अवस्थी अपने संगीत प्रस्तुत करेंगी। भागवत कथा का उद्घाटन गोविंद गिरी महाराज करेंगे। कार्यक्रम में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी सहित सैकड़ो की संख्या में संत महंत उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर रानू पाली आश्रम के प्रबंधक माधवानंद महाराज भी उपस्थित रहे।

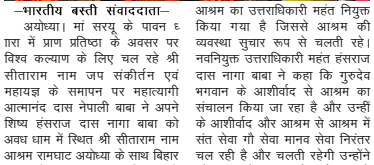

हंसराज दास नागा बाबा को नेपाली बाबा ने बनाया उत्तराधिकारी महंत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मां सरयू के पावन धारा में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विश्व कल्याण के लिए चल रहे श्री सीताराम नाम जप संकीर्तन एवं महायज्ञ के समापन पर महात्यागी आत्मानंद दास नेपाली बाबा ने अपने शिष्य हंसराज दास नागा बाबा को अवध धाम में स्थित श्री सीताराम नाम आश्रम रामघाट अयोध्या के साथ बिहार वाराणसी एवं वृंदावन सहित सभी आश्रमों का उत्तराधिकारी महंत नियुक्त किया। वैष्णो सनातन परंपरा के अनुसार अयोध्या के संतों महंतों के पवन उपस्थिति में तिलक लगाकर कंढ़ी चद्दर दे करके महंत नियुक्त किया और कहा कि हंसराज दास नागा बाबा पूरी निष्ठा और निष्काम भाव से आश्रम की निरंतर सेवा कर रहे हैं इसलिए संतों की उपस्थिति में उनका आश्रम का उत्तराधिकारी महंत नियुक्त किया गया है जिससे आश्रम की व्यवस्था सुचार रूप से चलती रहे। नवनियुक्त उत्तराधिकारी महंत हंसराज दास नागा बाबा ने कहा कि गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से आश्रम का संचालन किया जा रहा है और उन्हीं के आशीर्वाद और आश्रम से आश्रम में संत सेवा गौ सेवा मानव सेवा निरंतर चल रही है और चलती रहेगी उन्होंने जो भर मुझे आज सौंपा है उसको उन्हीं के आशीर्वाद से मैं आगे चलता रहूंगा। इस अवसर पर श्रीमहंत धर्मदास, महंत सूरज दास लोग, महंत जन्मेजय शरण महंत सीताराम दास त्यागी महंत जनार्दन दास महंत स्वामी अवधेश कुमार दास महंत जगत गुरु परमहंस आचार्य सहित सैकड़ो की संख्या में संत महंत धर्माचार्य उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस परेड का हुआ फुल ड्रेस रिहर्सल

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। पुलिस अधीक्षक ने रिहर्सल परेड का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने तैयारियों को लेकर जरूरी निर्देश दिया। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर पुलिस लाइन में परेड होगा। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया व अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव की मौजूदगी में बुधवार सुबह पुलिस लाइन में परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। रिहर्सल परेड में सशस्त्र पुलिस बल जिसमें महिला व पुरुष पुलिस कर्मचारी शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक की ओर से परेड में शामिल सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्यवाही का बारीकी से निरीक्षण किया गया। 26 जनवरी को होने वाली परेड के प्रथम कमांडर क्षेत्राधिकारी भिनगा अतुल कुमार चौबे व द्वितीय कमांडर पुलिस उपाधीक्षक जमुनहा सतीश कुमार शर्मा तथा तीसरे कमांडर निरीक्षक अश्वनी कुमार दुबे बनाए गए हैं। साथ ही साथ परेड के लिए आठ टोलियां बनाई गई हैं। टोली नंबर एक के कमांडर उपनिरीक्षक पंकज कुमार, टोली नंबर दो के कमांडर उपनिरीक्षक शिव कुमार, टोली नंबर तीन का कमांडर उपनिरीक्षक मनोज कुमार को बनाया गया है। इसी तरह से टोली नंबर चार का कमांडर उपनिरीक्षक प्रशांत बाजपेई, टोली नंबर पांच के कमांडर उप निरीक्षक दीपक गिरि, टोली नंबर छह के कमांडर उपनिरीक्षक अंबेडकर, टोली नंबर सात (महिला टोली) की कमांडर उपनिरीक्षक अर्चना सिंह व टोली नंबर आठ (एसएसबी) के कमांडर उप निरीक्षक विकास सिंह बनाए गए हैं। वाहन दस्ता का कमांडर उपनिरीक्षक रियाज अंसारी को बनाया गया है। वर्ष 2023 में सराहनीय कार्य करने वाले 110 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेंगे प्रधान

संवाददाता–गोण्डा। क्षेत्र के तालागंज ग्राम पंचायत के प्रधान दिलीप वर्मा का चयन नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय परेड में प्रतिभाग के लिए किया गया है। डीपीआरओ ने इस संबंध में बीडीओ ओम प्रकाश यादव को पत्र जारी किया है। इस संबंध में प्रधान को अवगत कराते हुए उचित व्यवस्था करें।

प्रशासन के तेवर से धीमी पड़ी श्रद्धालुओं की रफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। मौसम और पुलिस प्रशासन के तेवर से बुधवार को अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की रफ्तार धीमी पड़ गई। हालांकि, मंगलवार के अपेक्षा बुधवार को सभी बैरियर पर नरमी देखने को मिली। आवश्यक वस्तुओं के वाहनों समेत छोटे वाहनों को अयोध्या की तरफ फोरलेन से जाने दिया गया। गोरखपुर की तरफ से आने वाले सभी भारी वाहनों को बस्ती से डायवर्ट करने से लोलपुर में हाईवे पर वाहनों का दबाव काफी हद तक घट गया। कटरा तिराहे से अयोध्या जाने वाला हाईवे बुधवार को भी पूरी तरह से बंद रहा। अयोध्या से वापसी करने वाले लोग ही इस पर पैदल आते दिखे। बुधवार को कड़ाके की ठंड का असर भी श्रद्धालुओं के आवागमन पर पड़ा। वाहनों के आवागमन मे कमी होने से बैरियर पर तैनात पुलिसकर्मी भी राहत में दिखे।

113 साड़ी के साथ बाइक बरामद, आरोपी फरार

संवाददाता–महराजगंज। सशस्त्र सीमा बल 66वीं वाहिनी के बीओपी खनुआ के जवानों ने गश्त के दौरान भारत–नेपाल सीमा के खनुआ गांव के पास से बाइक पर लदी कपड़ा बरामद किया है। सशस्त्र सीमा बल 66वीं वाहिनी के कमांडेंट जगदीश प्रसाद धाबाई ने बताया कि खनुआ बीओपी के जवान बुधवार को गश्त पर निकले थे। खनुआ गांव के कुछ दूरी पर पहुंचे ही थे कि भारतीय सीमा क्षेत्र की तरफ नेपाली नंबर प्लेट की एक बाइक पर बोरा लेकर एक युवक आते दिखा। जवानों को देखते ही बाइक व बोरा छोड़कर नेपाल भाग गया।

नेपाल में भी राम जैसा सुशासन हो -पूर्व न्यायाधीश

संवाददाता–महराजगंज। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा में आमंत्रित नेपाल के 12 से अधिक अतिथि रविवार को सोनौली बॉर्डर से गए थे। मंगलवार शाम अतिथि अयोध्या से नेपाल पहुंचे। जहां भैरहवा के मारवाड़ी धर्मशाला में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के युवा नेता गौरव बोहरा ने उनको पटका पहनाकर स्वागत किया। गौरव बोहरा ने कहा कि प्रभु श्रीराम की प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम सफल रहा। नेपाल से जाने वाले अतिथि आज लौटे हैं। उनके दर्शन मात्र से ही सभी नेपालवासियों को अयोध्या में प्रभु श्रीराम का दर्शन मिल गया। पूरा नेपाल प्रभु श्रीराम की प्राण–प्रतिष्ठा से अभिभूत है। अयोध्या से लौटे विशिष्ट अतिथि नेपाल के पूर्व न्यायाधीश गोपाल पराजुली ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण–प्रतिष्ठा देखना उनके जीवनकाल का एक ऐतिहासिक और अविस्मरणीय क्षण था। अयोध्या ही नहीं अब पूरे भारत में रामराज्य आ गया है। इसी तरह हम नेपाल में रामराज्य की परिकल्पना करते हैं। हम चाहते हैं कि नेपाल में भी राम जैसा सुशासन होना चाहिए। इस कार्यक्रम में उपस्थित होने का मौका मिला। हम सभी का जीवन धन्य हो गया। नेपाल और भारत का सदियों पुराना रिश्ता है। यह रिश्ता कभी भी खत्म होने वाला नहीं है। अतिथियों में नेपाल के पूर्व आईजी अच्युत कृष्ण खरेल, पूर्व एआईजी कल्पना तिमिलिस्ना, विश्व हिंदू परिषद की ज्योत्सना साहू, सांसद हरि प्रभा खड़की और विश्व हिंदू परिषद नेपाल के प्रह्लाद रेग्मी प्रमुख रहे।

लोटस वैली रिजार्ट में जीएसटी और इनकम टैक्स का छापा, ढाई करोड़ की मिली चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। लोटस वैली रिजार्ट में मंगवलवार की सुबह से सेवा एवं वस्तु कर(जीसटी) की तरफ कार्रवाई की जा रही है। कर चोरी की आशंका को देखते हुए टीम ने मंगलवार की सुबह ही परिसर पर छापा मारा। मंगलवार सुबह से बुधवार तक चले जांच में तकरीबन ढाई करोड़ रुपये की कर चोरी और उसपर जीएसटी शुल्क टीम ने तय किया है। हालांकि, ये आंकड़े प्रपत्रों की मिलान के बाद बढ़ या घट भी सकते हैं। बुधवार को इनकम टैक्स की टीम भी जांच के लिए मौके पर पहुंची। जांच में रिजार्ट के दफ्तर में सात लाख रुपये भी बरामद हुए। निदेशक की तरफ से इन रुपयों के कागज उपलब्ध नहीं करवाए गए। हालांकि, रिजार्ट परिसर के निदेशक का दावा है कि जीएसटी के अधिकारी गलत तरीके से परिसर पर आकर जांच कर रहे हैं। नकहा स्थित लोटस वैली रिजार्ट पर जीएसटी टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार की सुबह पहुंची टीम करीब 24 घंटे से यहां प्रपत्रों की जांच, बुकिंग, कर जमा समेत अन्य डिटेल की जांच कर रही है। इसी बीच इनकम टैक्स की टीम भी मौके पर पहुंच गई है।

आयकर सहायक निदेशक संजीव कुमार के निर्देशन में पहुंची टीम ने वहां मिले सात लाख रुपये का हिसाब देखा तो वो नहीं दिखा सके। बिना रिकार्ड के इस रकम को इनकम टैक्स ने अपने कब्जे में ले लिया। विभागीय सूत्रों ने बताया कि पिछले दिनों में रिजार्ट की तरफ से किए गए आयोजनों की पूरी डिटेल जांची गई है। इसमें पिछले दो वर्षों की बुकिंग का रिकार्ड मिल गया है। इसमें रिजार्ट की बुकिंग पर 5 प्रतिशत और रिजार्ट के साथ कैटरिंग की बुकिंग पर 18 प्रतिशत कर कर चोरी मिली है। ऐसे में सिर्फ सीधा कर जोड़ा जाएगा तो इसपर ढ़ाई करोड़ रुपये का कर चोरी निर्धारित हुआ है। जीएसटी की तरफ से ये मिलान मंगलवार की देर रात तक कर लिया गया था। ज्वाइंट कमिश्नर जोन प्रथम यूएन सिंह ने बताया कि पंचनामा तैयार करने के दौरान संचालक और अन्य जिम्मेदार मौके से चले गए। कई बार प्रयास किया गया, लेकिन इन्हें वापस नहीं बुलाया जा सका। इससे पंचनामे की कार्रवाई पुरी रात नहीं हो सकी। टीम रिजार्ट पर मौजूद रही। दरअल, आम तौर पर शाम होने के बाद कोई भी जांच बंद हो जाती है। जांच अगले दिन सुबह फिर दोबारा शुरू होती है। लेकिन, इस मामले में जीएसटी टीम पूरी रात रिजार्ट पर ही डटी रही। टीम में शामिल अफसरों का कहना है कि डिपार्टमेंट को बड़ी टैक्स चोरी की शिकायत मिली थी, जिसके आधार पर रेड की जा रही है। पंचनामे पर हस्ताक्षर नहीं होने से जांच अधूरी ही रह जाती।

घर छोड़कर कमाने गए परदेस, गांव की जमीन जालसाजों ने बेच दी

संवाददाता–गोरखपुर। अगर आप परदेस कमाने गए हैं और गोरखपुर में आपकी जमीन है तो इसकी जांच करा लें कि कहीं उसे भूमाफिया ने बेच तो नहीं दिया। ऐसे कई मामले सामने आने के बाद पुलिस जालसाजों पर सख्त कार्रवाई कर रही है, लेकिन सतर्कता जरूरी है। इतना तो तय है कि एक बार केस में फाइल फंस गई तो खुद की जमीन को अपना साबित कर पाने की प्रक्रिया लंबी हो जाएगी। जिले में जालसाजों पर पुलिस तेजी से कार्रवाई कर रही है तो इस तरह के मामले भी सामने आने लगे हैं। लंबे समय से लोगों की जमीन पर कब्जा है और उन्हें इसकी भनक तब लगती है, जब वह वर्षों बाद पैतृक गांव पर आते हैं। गोरखपुर में विकास की रफ्तार बढ़ने पर जमीनों की कीमत आसमान छू रही है। लिहाजा वर्षों पहले जिले को छोड़कर कमाने गए लोगों को अपनी पैतृक जमीन की याद आ गई और वह लौटकर आ रहे हैं तो फिर उन्हें पता चल रहा है कि उनकी जमीन की कीमत लगाकर भू माफिया ने बच दिया है। इस तरह के कई मामले हाल के दिनों में सामने आए हैं, जिसमें पुलिस ने केस दर्ज कर जांच भी शुरू कर दी है। कई ऐसे भी लोग हैं जो फोन पर या फिर ऑनलाइन खतौनी देखकर पुलिस से संपर्क कर अपनी जमीन को बचाने की गुहार लगा रहे हैं। बड़ी बात यह कि जालसाज दूसरे की जगह पर किसी दूसरे का उसी नाम से आधार कार्ड बनवाकर जमीन का बैनामा आसानी से करा ले रहे हैं। कई मामले तो ऐसे भी हैं, जिसमें खारिज दाखिल के समय आपत्ति दाखिल करने पर मामला खुलकर सामने आया है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने कहा कि जालसाजी के मामलों में पुलिस केस दर्ज कर लगातार कार्रवाई कर रही है। दूसरे की जमीन बेचने वाले पर केस दर्ज कर जेल भेजने के साथ ही पुलिस ने गैंगस्टर तक लगाया है। पुलिस ने ऐसे आरोपियों की अपराध से अर्जित संपत्तियों को भी जब्त किया है।

समाजसेवी ने लावारिस नवजात बच्ची का किया अंतिम संस्कार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अहिरौली थाना क्षेत्र के विशेसरपुर गांव स्थित तालाब में नवजात शिशु का शव की सूचना ग्राम प्रधान ने थाने पर दी। सूचना पर प्रभारी विवेक कुमार वर्मा, एसआई जितेंद्र कुमार सिंह, कांस्टेबल राहुल गुप्ता, अमित कुमार, हर्ष कुमार एवं कांस्टेबल आकाश गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए पोस्टमार्टम हाउस अकबरपुर में 72 घंटे के लिए रखवा दिया। पहचान न होने पर समाजसेवी बरकत अली ने अपनी टीम के साथ पहुंच कर लावारिस नवजात शिशु का अंतिम संस्कार किया।

मौके पर कांस्टेबल हर्ष कुमार, कांस्टेबल नैपाल सिंह, आलोक कुमार, इरफान शाह एवं अनिल कुमार मौजूद रहे।

प्राण प्रतिष्ठा पर स्वामी प्रसाद के विवादित बयान पर भड़के महंत राजूदास, बोले– गदा से मारकर तोड़ दें मुंह

संवाददाता–अयोध्या। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य अपने विवादित बयानों को लेकर हमेशा चर्चा का विषय बने रहते हैं। कभी हिन्दू धर्म, कभी देवी–देवता और अब राम मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा को लेकर भी उन्होंने टिप्पणी दी है। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य का बयान सामने आते ही विवाद छिड़ गया। तमाम साधु संतों व हिन्दू संगठनों ने इस तरह की अमर्यादित बयान पर नाराजगी जाहिर की। साथ ही, हनुमान गढ़ी के महंत राजूदास ने भी इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य पागल हो गए हैं। सनातन धर्मियों को स्वामी प्रसाद का मुंह गदा से तोड़ देना चाहिए। महंत राजूदास ने स्वामी प्रसाद पर नाराज होते हुए कहा, सपा प्रमुख से मेरी विनम्र अपील है कि जिस प्रकार का स्वामी प्रसाद मौर्य का एक और बयान आया कि ये लोग पत्थर में भी जान डालते हैं। अगर ऐसा है तो ये लोग जब मां–बाप मर जाएं तो मुर्दों में भी जान डाल दें। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बात है। महंत राजुदास ने आगे कहा, इनके मन में इतना बाबरी प्रेम जग गया है कि इन्हें समझ ही नहीं आता कि क्या बोलना चाहिए क्या नहीं बोलना चाहिए। हम इसका पुरजोर विरोध करते हैं.. निंदा करते हैं। महंत राजूदास ने स्वामी प्रसाद मौर्य पर निशाना साधते हुए कहा कि सनातनियों से मेरी अपील है, स्वामी प्रसाद मौर्य का मुंह गदा से मारकर तोड़ दिया जाए तभी जाकर ये मानेंगे। ऐसे शब्दों का प्रयोग अति निंदनीय है, दुर्भाग्यपूर्ण हैं। स्वामी प्रसाद का इस तरह का बयान शुद्ध रूप से सपा प्रमुख अखिलेश यादव का है। क्योंकि स्वामी प्रसाद बार–बार इस तरह का अमर्यादित बयान देते रहते हैं फिर भी कुछ नहीं किया जाता है। सनातनियों का मजाक उड़ाना, हिन्दू देवी–देवताओं के लिए इस तरह के शब्दों का प्रयोग करना। इस पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। बता दें, स्वामी प्रसाद ने बीते दिनों रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कहा था कि अगर किसी मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा कर देने से पत्थर संजीव हो सकता है तो फिर मुर्दे क्यों नहीं चल सकते। उन्होंने कहा कि यह सब पाखंड और ढ़ोंग है। जो खुद भगवान है, जो सबका कल्याण करता हो, इंसान की क्या हैसियत की उसमें प्राण प्रतिष्ठा कर सके। ये लोग खुद को भगवान से बड़ा साबित करने में लगे हुए हैं।

शिवरात्रि से पहले बाबाधाम जाने वाले शिवभक्तों को बड़ी सौगात

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्वांचल में भी दशहरा और सावन में सीट को लेकर खूब मारामारी होती है।ट्रेनों में वेटिंग 100 के पार चली जाती है। सावन में सैकड़ों श्रद्धालु मजबूरन सड़क मार्ग से देवघर तक सफर तय करते हैं। इस दौरान स्पेशल ट्रेन चलाई जाती है लेकिन वह नाकाफी साबित होती है। ऐसे में सिर्फ देवघर तक ट्रेन चल जाने से अधिक यात्रियों को आसानी से सीट मिल जाएगी। अयोध्या धाम के लिए अमृत भारत चलाने के बाद यात्रियों को शिवरात्रि से पहले रेलवे ने बाबाधाम जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी सौगात दी है। एनई रेलवे के गोमतीनगर से गोरखपुर होते हुए देवघर तक नई एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की मंजूरी मिली है। एनईआर अब इसके शुभारम्भ की तैयारियों में जुट गया है। संभावना है कि फरवरी के पहले सप्ताह में यह सेवा शुरू हो जाएगी। फिलहाल नई ट्रेन सप्ताह में एक दिन चलेगी। बाद में यात्रियों की मांग के अनुरूप इसके फेरे बढ़ाए भी जा सकते हैं। नई ट्रेन सेवा शुरू होने से बाबाधाम (देवघर) जाने वाले श्रद्धालुओं यात्रियों को काफी सहूलियत होगी। अभी यहां के लिए दो ट्रेन हैं। एक काठगोदाम से हावड़ा बाघ एक्सप्रेस और दूसरी गोरखपुर से कोलकाता पूर्वांचल एक्सप्रेस। बाघ में सीट को लेकर हर समय मारामारी रहती है। पूर्वांचल में भी दशहरा और सावन में सीट को लेकर खूब मारामारी होती है।ट्रेनों में वेटिंग 100 के पार चली जाती है। सावन में सैकड़ों श्रद्धालु मजबूरन सड़क मार्ग से देवघर तक सफर तय करते हैं। इस दौरान स्पेशल ट्रेन चलाई जाती है लेकिन वह नाकाफी साबित होती है। ऐसे में सिर्फ देवघर तक ट्रेन चल जाने से अधिक यात्रियों को आसानी से सीट मिल जाएगी। एनई रेलवे ने गोमतीनगर से देवघर तक नई ट्रेन चलाने के लिए बोर्ड के पास प्रस्ताव भेजा था, जिसे स्वीकार करते हुए बोर्ड ने शेड्यूल जारी कर दिया है।

पुलिस लाइन में हुआ गणतंत्र दिवस परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल

संवाददाता–गोरखपुर। गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर पुलिस लाइन में फुल ड्रेस रिहर्सल परेड का आयोजन बुधवार की सुबह किया गया। इस दौरान एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

26 जनवरी को पुलिस लाइन में परेड का आयोजन होगा। इसके लिए रिहर्सल किया गया। पूर्वाभ्यास की कमान ने संभाली। इस दौरान परेड में सशस्त्र पुलिस बल जिसमें महिला और पुरुष दोनों पुलिस कर्मी शामिल हुए। यातायात पुलिस, डॉग स्क्वायड रेडिया फायर सर्विस सहित टीमें परेड में शामिल रहीं। एसएसपी ने ग्राउंड में चल रही साफ सफाई और साज–सज्जा की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान एसपी सिटी केके विश्नोई, एसपी मानुष पारीक सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

अयोध्या, मथुरा और विश्वनाथ तीनों लेंगे एक साथ -प्रवीण तोगड़िया

संवाददाता–अयोध्या। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण भाई तोगड़िया अपने समर्थकों के साथ बुधवार की दोपहर अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सरयू तट पर स्थित परमहंस रामचंद्र दास की समाधि स्थल पर जाकर उन्हें नमन किया है। इस अवसर पर उन्होंने नारा दिया कि अयोध्या, मथुरा और विश्वनाथ तीनों लेंगे एक साथ। वे अपने हजारों समर्थकों के साथ पहुंचे हैं और दोपहर में 2:00 बजे रामलला के दरबार में हाजिरी लगायी। तोगड़िया ने कहा है कि राम मंदिर निर्माण से हजारों कारसेवकों के संकल्प की सिद्ध हुई है। आज हम उन्हीं कारसेवकों को अयोध्या में नमन करने आए हैं।

44 वर्षों से लम्बित विवाद का हुआ पटाक्षेप

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। आपसी सुलह–समझौता के आधार पर वादों के निस्तारण के लिए संचालित मध्यस्थता केन्द्र में लगभग 44 वर्षों से लम्बित एक मूलवाद में सुलह समझौता के आधार पर निस्तारण के लिए वादी एवं प्रतिवादी राजी हुए। पखवारा भर पूर्व प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने वादी रामशंकर पुत्र जालिम यादव निवासी गोहिला तहसील टांडा बनाम प्रभुदेई आदि निवासी गोहिला तहसील टाण्डा से सम्बन्धित मूलवाद संख्या 31/2012 को समझौता केन्द्र में प्रेषित किया गया। कई तिथियों में मध्यस्थ अधिवक्ता चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव ने वार्ता किया जिसके वाद दोनों पक्ष वाद को सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारित करने के लिए राजी हुए। मामले की जानकारी प्राधिकरण सचिव ने दी।

कार्यालय ग्राम पंचायत ओठघनपुर विकास खण्ड बस्ती सदर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 25.01.2024 से 01.02.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 01.02.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–जगदीश गौतम
ग्राम पंचायत- ओठघनपुर
विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–आनन्द सिंह
ग्राम पंचायत- ओठघनपुर
विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्ती

पत्रांक मेमो /24.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

कार्यालय ग्राम पंचायत भौसिंहपुर विकास खण्ड बस्ती सदर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 25.01.2024 से 31.01.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 31.01.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–प्रेमराज
ग्राम पंचायत- भौसिंहपुर
विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–आनन्द सिंह
ग्राम पंचायत- भौसिंहपुर
विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्ती

पत्रांक मेमो /24.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0 C 202117000000642
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

बद्रीनाथ
बनाम
श्रवण कुमार आदि

1. श्रवण कुमार पुत्र भीखीराम साकिन मौजा भिमलापुर छत्तर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–02–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 24 माह 01 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0 C 202117000000641
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

बद्रीनाथ
बनाम
मनोज कुमार आदि

1. मनोज कुमार 2. दिलीप कुमार 3. मोहित पुत्रगण अरूण कुमार 4. श्रीमती ज्ञानमती पत्नी अरूण साकिनान मौजा भिमलापुर छत्तर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–02–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 24 माह 01 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
नम्बर मुकदमा 139/2020

जानू आदि
बनाम
रमजान आदि

1. रमजान पुत्र अलीजान साकिन मौजा उमरीबेग हाल मुकाम मौजा कोतवालपुर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. इस्माईल पुत्र रमजान 3. साबिर अली पुत्र इस्लाम पौत्र रमजान साकिन मौजा उमरीबेग हाल मुकाम मौजा कोतवालपुर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 4. मासूक अली 5. मासूम अली 6. महबूब अली 7. अमीन अली पुत्रगण इम्तियाज अली 8. अब्दुल्लाह 9. रहमतुल्लाह पुत्रगण अकबर अली 10. साजिदा खातून पत्नी अकबर अली 11. अमीन अली पुत्र सत्तार 12. जाबिर अली 13. जावेद अली 14. मो0 अली 15. मो0 सिद्दीक 16. मोहम्मद पुत्रगण जामिन अली 17. श्रीमती जिन्नतुनिंशा पत्नी जामिन अली साकिन मौजा कोतवालपुर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 27–02–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 27 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
vlyla C 20171700682
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

राजू आदि
बनाम
राम प्रकाश आदि

1. राम प्रकाश पुत्र रामसुरेश 2. श्रीमती शोभा पुत्री शम्भू पत्नी राधेश्याम 3. श्रीमती गंगोत्री पुत्री शम्भू पत्नी ज्ञानदास 4. हरिदेव पुत्र झब्बर साकिनान मौजा गरवाह तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 26–02–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 26 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 24 माह 01 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

कार्यालय ग्राम पंचायत कलवारी मुस्तहकम विकास क्षेत्र बहादुरपुर– जनपद– बस्ती

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विकास क्षेत्र बहादुरपुर अंतर्गत आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय कलवारी मुस्तहकम के परिसर में 42 अदद यूकेलिप्टस पेड़ों की नीलामी की जानी है। जिसके लिए दिनांक–5/02/2024 को दिन में 11 बजे का समय निर्धारित है। नीलामी हेतु इच्छुक व्यक्ति निर्धारित समय पर ग्राम पंचायत कलवारी मुस्तहकम के कार्यालय में उपस्थित होनें का कष्ट करें।

ग्राम प्रधान | सचिव
ग्राम पंचायत– कलवारी मुस्तहकम
विकास क्षेत्र– बहादुरपुर, जिला– बस्ती

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com